संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 328 गुरूवार 02 अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

अवकाश सूचना

दैनिक अखबार घटती-घटना के सुधिपाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को सूचित किया जाता है कि विजयादशमी महोत्सव के अवसर पर घटती-घटना कार्यालय में दिन गुरूवार 02 अक्टूबर 2025 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक दिन शनिवार 04 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित होगा।

व्यवस्थापक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोहःप्रधानमंत्री ने स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया

घुसपैठियों से चुनौती मिल रही,सतर्क रहना है : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर 2025 (ए)। पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह में बुधवार को कहा, संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता नहीं दिखाई। चाहे प्रतिबंध लगे, या साजिश हुई हो। सभी का मंत्र रहा है कि जो अच्छा है, जो कम अच्छा,सब हमारा है। उन्होंने इस मौके पर आरएसएस के योगदान को दर्शाने वाला स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक जो लगातार देश सेवा में जुटे हैं। समाज को सशक्त कर रहे हैं, इसकी भी झलक इस डाक टिकट में है। मैं इसके लिए देश को बधाई देता हूं। पीएम ने कहा, डटकर मुकाबला करना है। दूसरे देशों पर आर्थिक निर्भरता,डेमोग्राफी में बदलाव के षड्यंत्र जैसी चुनौतियों से हमारी सरकार तेजी से निपट रही है। स्वयंसेवक होने के नाते मुझे खुशी है कि संघ ने इसके लिए ठोस रोडमैप भी बनाया है। घुसपैठियों से बड़ी चुनौती मिल रही है। हमें इससे सतर्क रहना है। दत्तात्रेय होसबाले ने कहा, व्यक्ति को समाज के साथ जोड़ना है। इस कारण ही व्यक्ति राष्ट्र का अंग होता है।हमें कोई सर्टिफिकेट नहीं चाहिए,हम किसी का विरोध नहीं करते इसलिए स्वयं सेवक निस्वार्थ होकर काम करता है।

100 साल पहले आरएसएस की स्थापना संयोग नहीं

प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 साल पहले आरएसएस की स्थापना मात्र एक संयोग नहीं थी,बल्कि यह भारतीय संस्कृति और राष्ट्र चेतना का कालजयी पुनरुत्थान था। उन्होंने कहा,अन्याय पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की जीत - यही भारतीय संस्कृति का उद्घोष है। आरएसएस उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है, जो समय-समय पर नई चुनौतियों से निपटने के लिए प्रकट होती रही है।

राष्ट्र प्रथम-संघ का मूल मंत्र

पीएम मोदी ने कहा कि आरएसएस और उसके स्वयंसेवकों का उद्देश्य हमेशा एक रहा है-राष्ट्र प्रथम। उन्होंने कहा कि संघ ने जिस पद्धति को चुना, वह थी व्यक्ति निर्माण के जरिए राष्ट्र निर्माण। शाखा संघ की उस विराट धारा का माध्यम बनी जिसने समाज को संगठित और सशक्त बनाया।

आजादी के बाद संघ के खिलाफ साजिश हुई

पीएम मोदी ने कहा,लक्ष्य एक ही रहा एक भारत श्रेष्ठ भारत। राष्ट्र साधना की यात्रा में ऐसा नहीं कि संघ पर हमले नहीं हुए, आजादी के बाद भी संघ को मुख्य धारा में आने से रोकने के लिए षड्यंत्र हुए। पूज्य गुरुजी को जेल तक भेजा गया। जब वे बाहर आए तो उन्होंने कहा था...कभी-कभी जीभ दांतों के नीचे आकर दब जाती है,कुचल जाती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ देते, क्योंकि दांत भी हमारे हैं,जीभ भी हमारी है।

संघ की एक धारा,बंटती गई, राष्ट्र निर्माण करती गई

पीएम ने कहा, जिन रास्तों में नदी बहती है,उसके किनारे बसे गांवों को सुजलाम् सुफलाम् बनाती है। वैसे ही संघ ने किया। जिस तरह नदी कई धाराओं में अलग अलग क्षेत्र में पोषित करती है,संघ की हर धारा भी ऐसी ही है। समाज के कई क्षेत्रों में संघ लगातार काम कर रहा है। संघ की एक धारा बंटती तो गई,लेकिन उनमें कभी विरोधाभास पैदा नहीं हुआ, क्योंकि हर धारा का उद्देश्य, भाव एक ही है,राष्ट्र प्रथम। अपने गठन के बाद से ही आरएसएस विराट उद्देश्य लेकर चला राष्ट्र निर्माण, इसके लिए जो रास्ता चुना, व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण,जो पद्धति चुनी वह थी शाखा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने दी विजयादशमी की बधाई

नई दिल्ली, 01 अक्टूबर 2025 (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विजयादशमी की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि विजयादशमी के अवसर पर वे सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हैं। उन्होंने कहा कि अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पर्व हमें सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रपति ने कहा कि देश के विभिन्न भागों में रावण दहन और दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाने वाला यह पर्व हमारे राष्ट्रीय मूल्यों को दर्शाता है। यह पर्व हमें क्रोध और अहंकार जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों का त्याग करने तथा साहस और दृढ़ संकल्पता जैसी सकारात्मक प्रवृत्तियों को अपनाने की शिक्षा भी देता है।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में हुए सड़क हादसे में 6 की मौत

मुजफ्फरनगर,01 अक्टूबर 2025 (ए)। उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में बुधवार तड़के तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार छह लोगों की जान चली गई और एक व्यक्ति घायल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है। अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए। मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने बताया कि हरियाणा राज्य के करनाल जिले के गांव फरीदपुर निवासी महेंद्र जुनैजा का बीतों दिनों देहांत हो गया था। उनकी अस्थियां विसर्जन के लिए परिवार के लोग हरिद्वार जा रहे थे। मुजफ्फरनगर जिले के थाना तितावी क्षेत्र

स्थित पानीपत-खटीमा मार्ग पर त्रिदेव होटल के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक में कार टकरा गई। इस हादसे में महेंद्र का बेटा पीयूष, महेंद्र की पत्नी मोहिनी, सुनील की पत्नी अंजू,राजेंद्र की पत्नी बिन्नी और कार चालक पानीपत निवासी शिवा की मौत हो गई है। महेंद्र का पुत्र हार्दिक घायल है। ये सभी हरियाणा के रहने वाले हैं। घटना की जानकारी जिलाधिकारी (डीएम) और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने घटना स्थल की जांच की। एसएसपी ने बताया कि आज एक दुखद दर्घटना हुई है। सुबह सात बजे के आसपास परिवार कार से अस्थियां विसर्जन के लिए हरिद्वार जा रहे थे। त्रिदेव होटल के पास एक ट्रक खड़ा था। उसी ट्रक से कार टकरायी है। बताया जा रहा है कि कार का टायर फट गया था। ट्रक को लेकर चालक फरार है। एसएसपी ने कहा कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। निश्चित रूप से यह लापरवाही हुई है। ढाबा संचालकों की भी जिम्मेदारी है कि सड़क किनारे वाहन न खड़ा करवायें।

केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 3प्रतिशत बढ़ा,रबी फसलों का एमपीएस भी बढ़ा

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2025 (ए)। केंद्र सरकार ने त्योहारों से पहले लाखों कर्मचारियों और पेंशनधारियों को बड़ी सौगात दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में महंगाई भत्ता डीए में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी गई। इस फैसले से केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके साथ ही सरकार ने किसानों के लिए भी राहत भरा कदम उठाते हुए रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमपीएस) में वृद्धि

करने का निर्णय लिया है। कैबिनेट के इस फैसले से जहां कर्मचारियों को महंगाई से कुछ राहत मिलेगी, वहीं किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम मिल सकेगा।

एलसीए तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान के लिए भारत को अमेरिका से मिला चौथा जीई-404 इंजन

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2025 (ए)। अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को चौथा इंजन सौंप दिया है। इसका इस्तेमाल एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों में किया जाएगा, जिन्हें निकट भविष्य में भारतीय वायु सेना में शामिल किया जाना है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक भारत को 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। एचएएल का लक्ष्य इस साल अक्टूबर तक पहला विमान तैयार करना है, जिसमें से तीन पहले ही तैयार हैं और अंतिम परीक्षणों का इंतजार है। इंजन को लेकर बुनियादी समस्याओं का समाधान होने के बाद अब विमान के उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद बढ़ी है। भारत ने फरवरी 2021 में एचएएल के साथ 48 हजार करोड़ का एक समझौता किया था। इस अनुबंध में 73 तेजस मार्क-1ए जेट और 10 प्रशिक्षक विमान शामिल थे। भारतीय वायु सेना को 2024 में पहली खेप मिलने की

उम्मीद थी, लेकिन इस बीच कंपनी जीई एयरोस्पेस (जीई) ने एफ-404 इंजन का उत्पादन बंद कर दिया। भारतीय वायु सेना के साथ फरवरी, 2021 में अनुबंध होने के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को इसी साल मार्च से नए विमान की आपूर्ति होनी थी, लेकिन इसमें लगने वाले इंजन की अमेरिका से आपूर्ति में देरी की वजह से इंतजार लंबा हो गया। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार कंपनी ने इसी साल 26 मार्च को पहला इंजन भारत को सौंपा। इसके बाद 13 जुलाई को जीई ने दूसरा इंजन भेजा। एचएएल को एलसीए मार्क-1ए के लिए तीसरा जीई-404 इंजन 11 सितंबर को मिला। कंपनी ने उसी समय एक और इंजन सितंबर के अंत तक देने का बादा किया था, जो माह के आखिरी दिन मिल गया, जिसकी पुष्टि आज एचएएल ने की है। अब भारत को चार इंजन मिल चुके हैं, जिससे एलसीए मार्क-1ए विमानों के उत्पादन और आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद बढ़ी है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक भारत को 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। ये इंजन भारत के स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान में लगाए जाएंगे,जिसे भारतीय वायु सेना में शामिल किया जा रहा है। एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील ने कहा कि एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत वाले 113 जीई-404 इंजनों के ऑर्डर के लिए बातचीत पूरी हो गई है और अनुबंध पर अक्टूबर में हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय की ओर से 25 सितंबर को दिए गए 97 एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों के नए ऑर्डर में 68 सिंगल-सीट लड़ाकू विमानों और 29 ट्विन-सीट ट्रेनर विमानों के इंजन शामिल होंगे। जिनकी डिलीवरी 2027-28 में शुरू होगी और छह वर्षों में पूरी होगी। एचएएल का लक्ष्य इस साल अक्टूबर तक पहला विमान तैयार करना है,जिसमें से तीन पहले ही तैयार हैं और अंतिम परीक्षणों का इंतज़ार है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2032-33 तक हम सभी 180 विमानों का निर्माण पूरा कर लेंगे।

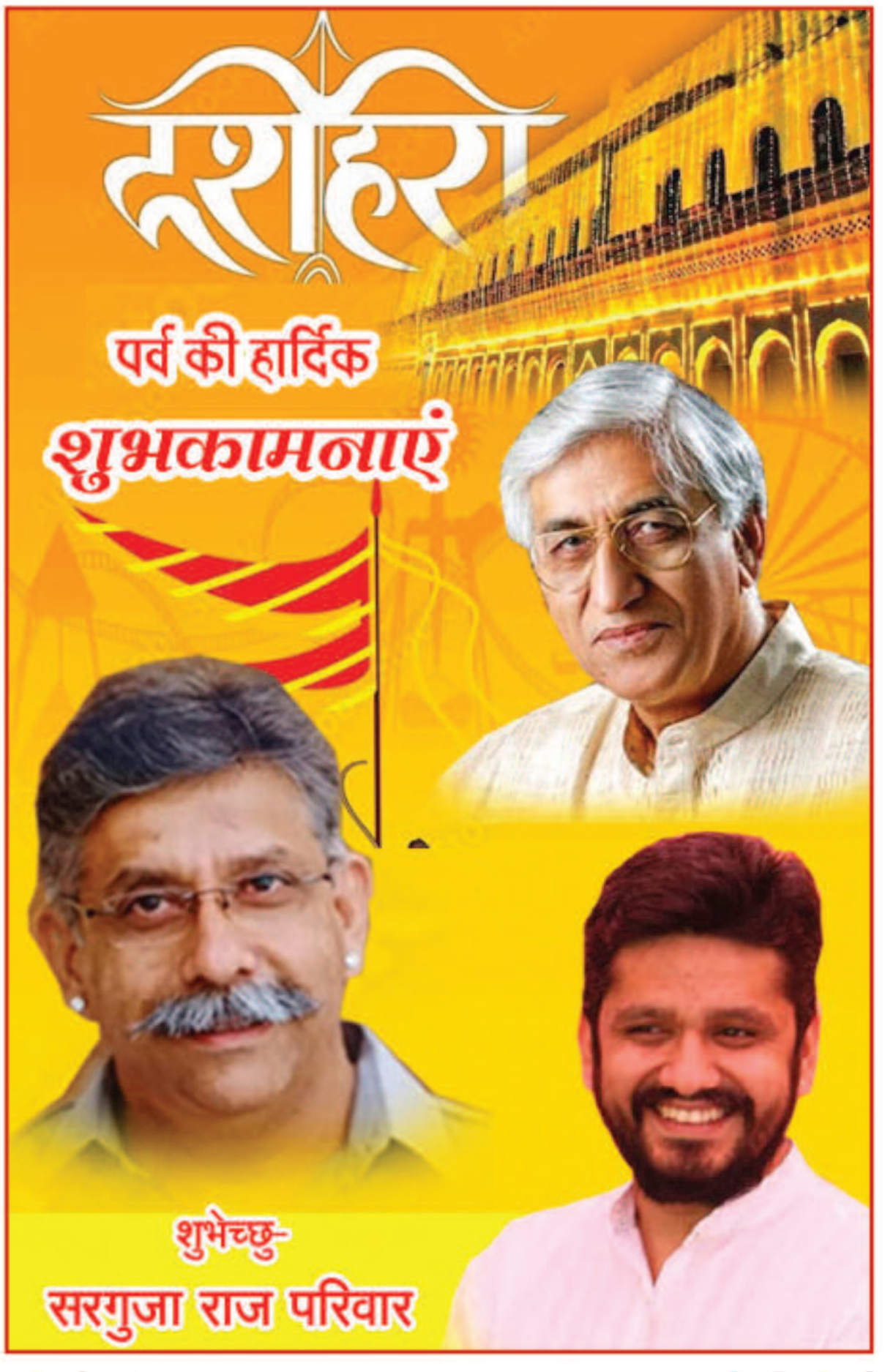

हिमाचल प्रदेश में टैक्सों का बोझ बढ़ा रही कांग्रेस सरकार : जे.पी. नड्डा

शिमला,01 अक्टूबर 2025 (ए)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए कहा कि जब पूरे देश में नवरात्र और दशहरे के पावन पर्व पर श्रद्धा और उल्लास का माहौल है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से देशभर में 'जीएसटी बचत उत्सव' मनाया जा रहा है। इस उत्सव के तहत आम लोगों को रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में भारी राहत दी गई है, जिससे जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। नड्डा ने बुधवार को एक बयान में कहा कि विशेष रूप से प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश के लिए केंद्र सरकार ने राहत स्वरूप सीमेंट पर जीएसटी घटाकर 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत कर दी, जिससे प्रति बोरी सीमेंट की कीमत में लगभग 30 रुपये की कमी आई। लेकिन कांग्रेस सरकार ने इस राहत का लाभ जनता तक नहीं पहुंचने दिया और इसके उलट सीमेंट पर 'एंटी डंपिंग ड्यूटी' के नाम पर 16 रुपये प्रति बोरी का अतिरिक्त टैक्स वसूलना शुरू कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब प्रदेश आपदा और आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहा है, तब कांग्रेस सरकार जनता को राहत देने की बजाय अपनी तिजोरी भरने में लगी है। यह व्यवहार असंवेदनशील और अमानवीय है। नड्डा ने कहा, दुर्भाग्य है कि जो सीमेंट हिमाचल प्रदेश में बन रहा है, वह पड़ोसी

राज्यों में सस्ता और हिमाचल में महंगा बेचा जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार पर पानी के बिल, स्टाम्प ड्यूटी, ग्रामीण जलापूर्ति शुल्क और बिजली दरों में भी मनमानी बढ़ोतरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से जन विरोधी रवैया है और कांग्रेस सरकार ने झूठे वादों और गारंटियों के नाम पर प्रदेश की आर्थिक स्थिति को बदहाल कर दिया है। नड्डा ने विश्वास जताया कि जनता समय आने पर इस सरकार को इसका माकूल जवाब देगी और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हिमाचल की जनता को राहत देना चाहते हैं, लेकिन राज्य सरकार केंद्र की राहत योजनाओं को जनता तक पहुंचने से रोक रही है।

दिल्ली सरकार कोरोना में जान गंवाने वाले कर्मचारियों के परिजनों को देगी एक करोड़ रुपये

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2025 (ए)। दिल्ली सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान ड्यूटी पर जान गंवाने वाले अपने कर्मचारियों के परिवार को एक करोड़ रुपये अनुग्रह राशि देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, कोविड ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले प्रत्येक कर्मचारी के परिजनों को 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। सरकार जल्द ही 10 कर्मियों के परिजनों को यह अनुग्रह राशि प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री के अनुसार यह सतत प्रक्रिया है और इसके लिए ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की समिति लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल के दौरान दिल्ली सरकार के डॉक्टरों,नर्सों,पैरामेडिकल स्टाफ,सफाई कर्मियों,शिक्षकों और अन्य अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर, निस्वार्थ भाव से जनता की सेवा की। जब पूरा विश्व महामारी के भय से ठहर गया था, तब ये कर्मचारी दिन-रात अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहे,ताकि लोगों तक स्वास्थ्य, स्वच्छता,आवश्यक सेवाएं आदि बिना रुके पहुंचती रहें।

संपादकीय

बिश्नोई गैंग पर कार्रवाई

भारत और विदेशों में भय और असुरक्षा का माहौल बनाने वाले बिश्नोई गिरोह को कनाडा द्वारा आतंकवादी संगठन की सूची में डालने के कारण समझना कठिन नहीं है। यह कदम इस अंतर्राष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट के बारे में भारत की चिंताओं को सही साबित करने वाला ही है। वहीं दूसरी ओर यह गैंगस्टर व आतंकवादी गठजोड़ पर कार्रवाई करने का एक स्वागत योग्य प्रयास भी है। जिसने दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्क भी किया है। दरअसल,यह गिरोह लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में भय व आतंक का पर्याय बना हुआ है। जिसने अनेक हाई-प्रोफाइल अपराधों को समय-समय पर अंजाम दिया है। यह विडंबना है और तंत्र की विफलता भी है कि गैंग का मुखिया पिछले एक दशक से अधिक समय से जेल में बंद है,इसके बावजूद गंभीर अपराधों की योजना बनाता रहा है। बिश्नोई गिरोह पर हाल के वर्षों में कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं को अंजाम देने का आरोप है। इन हाई-प्रोफाइल हत्याओं में प्रसिद्ध पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला,ऋक्करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दिकी भी शामिल हैं। अपराधियों के गठबंधन ने बार-बार बॉलीवुड स्टार सलमान खान को हत्या की धमकी दी है। इस सिंडिकेट ने सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर भी हमले करवाए हैं। इसी तरह कनाडा में पंजाबी कलाकार ए.पी. ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के घरों के बाहर गोलाबारी में भी इस गिरोह की भूमिका बतायी गई है। दरअसल, भारत सरकार व कनाडा सरकार ने इस आपराधिक सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई के लिये इसलिए भी सहयोग बढ़ाया है क्योंकि बिश्नोई गिरोह पर कनाडा में सक्रिय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के साथ मिलकर जबरन वसूली का कारोबार चलाने का आरोप बराबर लगता रहा है। बताया जाता है कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खालिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से करीबी संबंध रहे हैं। जो दोनों देशों की कानून व्यवस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बना रहा है।

हाल के दिनों में खबरें आती रही हैं कि बिश्नोई गैंग अपने भीतरी टकराव से जूझ रहा है। गिरोह में लगातार जारी आपसी झड़पों और विश्वासघात की निरंतर बढ़ती घटनाओं ने बिश्नोई गैंग को भीतर से भी कमजोर कर दिया है। इस स्थिति को भारत तथा कनाडा की सरकारों की कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों ने इन कुख्यात अपराधियों पर चारों ओर से शिकंजा कसने के अवसर के रूप में देखा है। दरअसल, कनाडा सरकार के द्वारा बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल करने के बाद अधिकारियों को उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में सुविधा रहेगी। वहां के कानून के अनुसार बिश्नोई गैंग को आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद अब कनाडाई अधिकारियों को आतंकवादी मामलों में इन अपराधियों के खिलाफ अपराध साबित करने के लिये अतिरिक्त साधन व सुविधा मिल सकेगी। सरल शब्दों में कहें तो आतंकवादी संगठन घोषित करने के बाद कनाडाई अधिकारियों को बिश्नोई गिरोह की संपत्ति, वाहन और धन जब्त करने का अधिकार मिल जाएगा। इसमें वित्त पोषण से संबंधित मामलों में की जाने वाली कार्रवाई भी शामिल है। जिसके जरिये भारत में अपराध व हिंसा फैलाने की साजिश रची जाती रही है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सार्वजनिक सुरक्षा कनाडा सरकार की प्राथमिकता रही है। जो यह भी दर्शाता है कि कनाडा सरकार ने अपने नागरिकों के लिए कुख्यात गैंगस्टरों, आतंकवादियों और अलगाववादियों द्वारा उत्पन्न गंभीर खतरे को पहचाना है। निस्संदेह, देर-सवेर इस जीरो टॉरलेंस की नीति से भारत को अपने आंतरिक सुरक्षा प्रयासों को भी मजबूती देने में मदद मिलेगी। भारत लंबे समय से कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाले अलगाववादी संगठनों व व्यक्तियों के खिलाफ शिकंजा कसने की मांग करता रहा है।

महात्मा गांधी जयंती,लाल बहादुर शास्त्री जयंती और विजयादशमी का ऐतिहासिक सांस्कृतिक अद्भुत व अनूठा संयोग-दो पर्व,एक ही संदेश

विजयादशमी हमें साहस देती है,गांधी जयंती हमें मार्गदर्शन देती है कि इस लड़ाई को किस तरह नैतिक और अहिंसक तरीके से लड़ा जाए

अगर हम महात्मा गांधी लाल बहादुर शास्त्री जयंती क़े महत्व को समझने की करें तो,महात्मा गांधी का नाम भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में शांति,अहिंसा और सत्य के प्रतीक के रूप में लिया जाता है। 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर (गुजरात)में जन्मे मोहनदास करमचंद गांधी ने अपने जीवन को साधारण वस्त्र,सरल जीवनशैली और उच्च आदर्शों के लिए समर्पित कर दिया।उनका सत्याग्रह और असहयोग आंदोलन भारत की आज़ादी के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य की सबसे बड़ी ताकत को बिना हिंसा और हथियार के चुनौती दी और यह सिद्ध कर दिया कि अहिंसा ही सबसे बड़ी शक्ति है। गांधीजी का योगदान केवल भारत की स्वतंत्रता तक सीमित नहीं रहा। उनका प्रभाव विश्वभर में पड़ा।

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

महात्मा गांधी के सिद्धांत और राम विजय की प्रेरणा एक साथ

वैश्विक स्तरपर भारत एक ऐसा देश है जिसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा हजारों वर्षों से दुनियाँ को राह दिखाती रही है। यहां के पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि उनमें जीवन-दर्शन, नैतिकता और सामाजिक संदेश भी निहित होते हैं। वर्ष 2025 में ऐसा ही एक ऐतिहासिक अवसर सामने आ रहा है। 2 अक्टूबर 2025 को महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री जयंती और विजयादशमी (दशहरा) एक साथ मनाई जाएगी। गांधीव शास्त्री जयंती हर साल 2 अक्टूबर को निश्चित रूप से आती है,जबकि विजयादशमी हिंदू चंद्र कैलेंडर के अनुसार बदलती रहती है,किंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस बार दोनों का एक साथ पड़ना भारतीय समाज और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एक गहरी प्रेरणा देता है।यह केवल तिथियों का मेल नहीं है,बल्कि मूल्यों का संगम है।गांधी जयंती सत्य,अहिंसा और नैतिकता का प्रतीक है,जबकि विजयादशमी अच्छाई की बुराई पर जीत का स्मरण कराती है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन के लिए गांधी के अहिंसात्मक तरीकों को अपनाया नेल्सन मंडेला ने रंगभेद के खिलाफ संघर्ष में गांधी की शिक्षाओं को प्रेरणा बनाया।संयुक्त राष्ट्र ने भी 2 अक्टूबर को इंटरनेशनल डे ऑफ़ नॉन-वाओलेंस घोषित कर गांधी के विचारों की वैश्विक मान्यता को स्वीकार किया।इस दृष्टि से 2 अक्टूबर न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रेरणादायक दिन है,लाल बहादुर शास्त्री जयंती का महत्व 2 अक्टूबर 1904 को जन्मे लाल बहादुर शास्त्री भारतीय राजनीति के ऐसे आदर्श नेता थे,जिन्होंने अपनी सादगी,ईमानदारी और राष्ट्रभक्ति से देशवासियों के दिलों में अमिट स्थान बना लिया। वे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री बने और अपने छोटे से कार्यकाल में उन्होंने देश को कठिन परिस्थितियों में संभालने का काम किया। शास्त्रीजी का जीवन बेहद सरल था। वे मानते थे कि नेता का आचरण उसके शब्दों से अधिक प्रभावी होना चाहिए।1965 के भारत-पाक युद्ध में शास्त्रीजी का नेतृत्व ऐतिहासिक रहा। उन्होंने पूरे देश को जय जवान,जय किसानका नारा दिया,जिसने देश की एकता और आत्मनिर्भरता को मजबूती दी। यह नारा आज भी भारत की रीढ़,सेना और किसान, की अहमियतको दर्शाता है।शास्त्रीजी का योगदान यह साबित करता है कि नेतृत्व केवल बड़े भाषणों से नहीं, बल्कि सादगी और कर्मनिष्ठा से भी किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम विजयादशमी (दशहरा) का सांस्कृतिक महत्व को समझने की करें तो,विजयादशमी भारत का एक प्रमुख त्योहार है, जो हर वर्ष आश्विन मास की दशमी तिथि को मनाया जाता है। यह त्योहार अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीराम ने इस दिन रावण का वध किया और सीता माता को मुक्त कराया। इसलिए दशहरा को विजयादशमी कहा जाता है। इस दिन देशभर में रामलीलाओं का मंचन होता है और रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले दहन किए जाते हैं।दशहरे का संदेश केवल धार्मिक नहीं, बल्कि दार्शनिक भी है। यह हमें यह सिखाता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो,अंततः सत्य और धर्म की विजय होती है। रावण विद्वान और पराक्रमी ब्राह्मण था,लेकिन उसका अहंकार और क्रोध ही उसके विनाश का कारण बने। इस प्रकार दशहरा हमें यह शिक्षा देता है कि मानव जीवन में विनम्रता, संयम और धर्म का पालन ही स्थायी सुख और सफलता दिला सकता है। आज भी भारत के कोने-कोने में दशहरा रावण-दहन के साथ मनाया जाता है। यह केवल धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि समाज को यह याद दिलाने का प्रतीक है कि बुराइयों का अंत करना ही जीवन का उद्देश्य है। साथियों बात अगर हम 2025 का संयोगः गांधी और राम का मिलन को समझने की करें तोअब जब हम 2 अक्टूबर 2025 की ओर देखते हैं, तो यह केवल कैलेंडर का संयोग नहीं है, बल्कि एक गहरी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकात्मकता है। गांधी ने अंग्रेज साम्राज्य के अहंकार और अत्याचार को अहिंसा और सत्याग्रह से हराया।श्रीराम ने रावण जैसे अत्याचारी राजा को धर्म और शौर्य से पराजित किया। दोनों ही प्रसंग हमें बताते हैं कि बुराई चाहे हिंसा,लालच,घमंड या अन्याय के रूप में हो,उसका अंत निश्चित है। गांधी और राम दोनों ने हमें यह सिखाया कि अच्छाई की शक्ति हमेशा बुराई से बड़ी होती है,बस हमें धैर्य और साहस से उसका सामना करना चाहिए।महात्मा गांधी ने ब्रिटिश साम्राज्य जैसे रावण को सत्य और अहिंसा से हराया। श्रीराम ने रावण जैसे राक्षस को धर्म और शौर्य से पराजित किया।दोनों ही प्रसंग हमें यह बताते हैं कि बुराई चाहे किसी भी रूप में आए,बाहरी आक्रमण हो या आंतरिक लालच और घमंड,उसका अंत निश्चित है। यह संयोग हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि गांधी जी के मूल्यों और रामायण की शिक्षाओं को आज की दुनिया में किस तरह लागू किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम रावण और गांधीः दोनों के विरोधाभास को समझने की करें तो,इतिहास और पुराणों में जब हम रावण और गांधी को देखते हैं, तो दोनों एकदम विपरीत ध्रुव दिखाई देते हैं। रावण अत्यधिक विद्वान और ब्राह्मण होते हुए भी अपने अहंकार और वासनाओं के कारण पतन का कारण बना।गांधी एक साधारण परिवार से होते हुए भी आत्मसंयम, सत्य और अहिंसा के कारण महात्मा कहलाए। यह तुलना हमें यह सिखाती है कि व्यक्ति का मूल्य केवल उसके ज्ञान या शक्ति से नहीं,बल्कि उसके चरित्र और आदर्शों से तय होता है। रावण ने ज्ञान का उपयोग सत्ता और दंभ के लिए किया, जबकि गांधी ने आत्मज्ञान का उपयोग स्वतंत्रता और न्याय के लिए किया।बुराई पर अच्छाई की विजयः साझा संदेश-गांधी जयंती और विजयादशमी दोनों का मूल संदेश एक ही है-अंततः सत्य और अच्छाई ही विजयी होती है। दशहरा कहता है कि बुराई का अंत शौर्य और धर्म से होता है। गांधी जयंती कहती है कि हिंसा और अन्याय का अंत सत्य और अहिंसा से किया जा सकता है। आज की दुनियाँ में यह संदेश और भी प्रासंगिक है,जहां आतंकवाद, युद्ध, हिंसा,भेदभाव और पर्यावरणीय संकट जैसे आधुनिक रावण सामने खड़े हैं,ऐसे में राम और गांधी दोनों के आदर्श हमें रास्ता दिखाते हैं। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण को समझने की करें तो,2 अक्टूबर 2025 को यह डबल अवसर भारत को एक अनूठा संदेश देगा राष्ट्रीय स्तर पर, यह हमें याद दिलाएगा कि हमें न केवल अपने अतीत के नायकों का सम्मान करना है,बल्कि उनके मूल्यों को आज के समाज में जीवित रखना है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर,दुनिया देखेगी कि भारत का सांस्कृतिक संदेश केवल धार्मिक या राजनीतिक सीमाओं तक नहीं है, बल्कि यह सार्वभौमिक मानवता का प्रतीक है।गांधी का संदेश पश्चिम से लेकर अफ्रीका तक आज भी प्रासंगिक है,और रामायण के आदर्श एशिया से कैरिबियन तक लाखों लोगों को प्रभावित करते हैं।गांधी जी केवल भारत तक सीमित नहीं हैं। दक्षिण अफ्रीका से लेकर अमेरिका तक उनके विचारों ने बड़े आंदोलनों को जन्म दिया। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने गांधी के अहिंसा के सिद्धांत को अपनाकर अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन को सफल बनाया। नेल्सन मंडेला ने भी अपार्थाइड के खिलाफ गांधी से प्रेरणा ली।वहीं, रामायण केवल भारत तक नहीं बल्कि पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया,इंडोनेशिया,थाईलैंड,कंबोडिया, मलेशिया, तक अपनी छाप छोड़ चुकी है। इंडोनेशिया जैसे मुस्लिम-बहुल देशमें भी रामायण कासांस्कृतिक महत्व है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि 2 अक्टूबर 2025 केवल एक तारीख नहीं,बल्कि तीन महान संदेशों का संगम है। गांधीजी ने सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया, शास्त्रीजी ने सादगी और कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श प्रस्तुत किया और विजयादशमी ने यह सिद्ध कर दिया किअच्छाई हमेशा बुराई पर विजय पाती है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमें न केवल व्यक्तिगत जीवन में, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर भी इन मूल्यों को आत्मसात करना होगा। इस संयोग को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक नई दिशा तय करने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। यह दिन भारत को दुनिया के सामने शांति,नैतिकता और सहिष्णुता का प्रतीक बनाने का अवसर देता है। वास्तव में, 2 अक्टूबर 2025 मानवता को एक नई रोशनी और नई राह दिखाने वाला ऐतिहासिक दिन बन सकता है।

संस्कृति, शक्ति और सत्य का उत्सव है दशहरा

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल दशमी को 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार दशहरा 2 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात् बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात् दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराईयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना। दरअसल हर इंसान के भीतर रावण रूपी अनेक बुराईयां मौजूद होती हैं और सभी पर एक बार में विजय पाना संभव भी नहीं है, इसलिए दशहरे पर ऐसी ही कुछ बुराईयों का नाश करने का संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता सुनिश्चित की जा सकती है। दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात् आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुर्गुणों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है। दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को 'विजयादशमी' कहा जाता है। नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है,जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें,उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं,शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं,आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें। शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। श्राद्धों के समाप्ति वाले दिन मिट्टी के किसी बर्तन में मिट्टी में जौ बोए जाने की परम्परा बहुत से क्षेत्रों में देखने को मिलती है। दशहरे के दिन तक जौ उगकर काफी बड़े हो जाते हैं, जिन्हें 'ज्वारे' कहा जाता है।

अधर्म पर धर्म की स्थापना का पर्व दशहरा

अशोक पटेल

हमारे देश में हिंदुओं का सबसे पावन त्यौहार दशहरा माना जाता है। जिसे दशहरा के नाम से जाना जाता है। दशहरा का पर्व आश्विन माष को दशमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन को असत्य पर सत्य की,बुराई पर अच्छाई की,अधर्म पर धर्म की,अहंकार पर प्रेम सद्भाना की आशक्ति पर शक्ति की जीत का प्रतीक माना जाता है।इसी दिन भगवान राम ने रावण को मार कर माता सीता को अहंकारी रावण से मुक्त किया था।और अहंकार,आशक्ति,अधर्म का प्रतीक रावण,मेघनाद सहित पूरी लंका को हनुमान जी के द्वारा अग्नि के हवाले करते हुए लंका दहन भी किया था। आइए हम राम के आदर्शों पर चलने की शपथ खाएं,और ये प्रयाश करें कि हमारे जीवन में मात्र और मात्र अच्छइयों का प्रादुर्भाव हो,बुराइयों का खात्मा हो। ये पावन दशहरा उत्सव आत्म अनुशासन का पर्व है।नैतिकता और मानवता का पर्व है। धर्म आस्था विस्वास का पर्व है। ये पर्व सत्य और न्याय का पर्व है। ये पर्व नारियों के सम्मान का पर्व है। ये पर्व मानवता के कल्याण और उसके उत्थान का पर्व है। ये पर्व है अपनी धरोहर और परम्परा को आगे बढाने का।ये पर्व हैं अपनी संस्कृति और सभ्यता को अक्षुण बनाए रखने का।ये पर्व है शक्ति की साधना का,ये पर्व है शस्त्र के पूजन का,प्रेम और सद्भावना का। पर दुर्भाग्य की बात है आज हमारे समाज में अच्छाइयों की अपेक्षा बुराइयां कुछ ज्यादा ही बढ़ रहा है,जो मानव समाज के लिए चिंता का विषय है। आज हमारे समाज से मानवता,सहानुभूति, सद्भवाना, भाईचारे, प्रेम, मर्यादा खत्म होता जा रहा है।इन सबके जगह में दुष्ट वृतियाँ अपना पंख पासार रहा है। मानव मानव का दुश्मन हो गया है। जहाँ देखो वहीं कूटनीति, राजनीति,स्वार्थ,शोषण,अत्याचार, दुराचार,व्याभिचार,अराजकता,अपने जड़ें जमा रहा है । यह सभ्य समाज के लिए उचित नही है। हम प्रतिवर्ष दशहरा का पर्व मनाते हैं, और हर बार बुराई का प्रतिक रावण का दहन करते है।तो क्या हम अपने अंदर छिपे उस रावण का दहन कर पाते है? यह एक यक्ष प्रश्न है। जिस दिन हम अपने अंदर के रावण का दहन कर पाएंगे,उसी दिन हम असल में वास्तविक रूप में दशहरा का पर्व मना पाएंगे।यदि हम ऐसा नही कर पाते तो इस प्रकार से दशहरा पर्व मनाना निर्थक होगा। अंत में यह कहा जा सकता है कि यह पर्व मानवता के विकास,देवत्व का स्थापन और आसुरी उपद्रव का खात्मा करने का है। आइए हम राम के आदर्शों को आत्मसात करें,और रावण का प्रतीक आसुरी दुष्ट प्रवृतियों को हमेशा- हमेशा के लिए त्याग करें।

कविता

राजेन्द्र साहिरी
धमगढ़ छग

सच दिखाता आईना

दर्पण में जरूर देखो
आज आपका रूप कौन सा था,
कुछ हलचल भरी थी या मौन सा था,
दर्पण झूठ कभी नहीं बोलेगा,
आपके कद नहीं चरित्र टटोलेगा,
रंग रूप वह किसी से छिपाता नहीं,
किसी को गलत बताता नहीं,
कोई गंगा में नहाए या समंदर में,
सांप प्रारंभ में जहर छोड़े या मध्यांतर में,
मानाकि हर सांप जहर नहीं छोड़ता
मगर हर जहर सिर्फ मौत देता है,
समय तनिक और आगे खिसक जाए भले
पर हर कर्म का नायाब हिसाब देता है,
बदल लो शत्रुओं के प्रति समर्पण,
क्योंकि वक्त को कहा गया है दर्पण,
समझ आते ही कितनों ने आईना देखा है,
मुकुट सर पर होकर भी
स्वतः हथियार फेंका है,
शस्त्र छोड़कर,सत्य अपनाकर
कुछ विरलों ने एक नया इतिहास बनाया है,
बौछारें हुई इतनी मोहब्बत की
कि आज भी हर दिल में समाया है,
हर दिन दर्पण देखने का प्रतिफल है संविधान,
तभी तो मसीहा ने नहीं दिया
इस स्वार्थी समाज खातिर
स्वयं के औलादों की मौत पर ध्यान,
हां है तुझमें जुनून तो जो इतिहास बदल डालो,
पर स्वयं को दर्पण में देखने
जरूर समय निकालो,
जरूर समय निकालो।

विजय गर्ग

स्वच्छ हवा, स्वस्थ लोग

अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य महासंघ (आईएफईएच) द्वारा इसकी शुरुआत के बाद 2011 में विश्व पर्यावरणीय स्वास्थ्य दिवस मनाया गया था। तब से,यह पानी की गुणवत्ता,खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और हाल ही में वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच के रूप में कार्य किया है। यह दिन पर्यावरण स्वास्थ्य पेशेवरों के शांत लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को पहचानने का एक क्षण है,जो बीमारी से बचाने और स्वस्थ रहने वाले वातावरण को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास करते हैं। वर्ष 2025 में,इस दिन की 15 वीं वार्षिक मान्यता तब होगी जब प्रदूषित वायु के खिलाफ भारत का संघर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य और विकास की एक महत्वपूर्ण चिंता बन गया है। भारत आज दुनिया के अधिकांश प्रदूषित शहरों की मेजबानी करने का शर्मनाक गौरव रखता है। स्विस कंपनी आईक्यूएयर द्वारा जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 में भारत को वैश्विक स्तर पर पांचवां सबसे प्रदूषित देश माना गया है। दिल्ली अक्सर अपनी खतरनाक धुंध के कारण समाचारों पर हावी होती है,विशेष रूप से सर्दियों में जब वाहन निकास, औद्योगिक अपशिष्ट,फसल जलाने और निर्माण धूल का एक हानिकारक मिश्रण शहर को घेर लेता है। उदाहरण के लिए, नवंबर 2023 में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई दिनों में 450 से अधिक हो गया-मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर और खतरनाक स्तर। कानपुर,लखनऊ,गाजियाबाद और पटना जैसे शहरों में अक्सर वायु गुणवत्ता की सीमाओं से काफी अधिक होती है, जिससे प्रतिदिन लाखों लोग खतरे में पड़ जाते हैं। यह मुद्दा बड़े शहरों से परे है; छोटे शहरी क्षेत्र भी असंगठित औद्योगिक क्षेत्रों और वाहनों की वृद्धि से बढ़ते प्रदूषण का सामना कर रहे हैं।

इस विषाक्त वायु के कारण स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभाव भारी हैं। प्रदूषण और स्वास्थ्य पर लैंसेट आयोग ने कहा कि वायु प्रदूषण से भारत में 2019 में लगभग 1.6 मिलियन प्रारंभिक मौतें हुईं, जिससे इसे मृत्यु दर का प्राथमिक पर्यावरणीय जोखिम कारक माना गया। शहर के स्कूलों में अस्थमा, ब्रोंकिटिस और फेफड़ों की वृद्धि को रोकने वाले मामलों की बढ़ती संख्या के साथ बच्चे विशेष रूप से जोखिम में हैं। वयस्कों को हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों के कैंसर और यहां तक कि लंबे समय से संपर्क में आने वाले संज्ञानात्मक गिरावट का खतरा बढ़ जाता है। मानव स्वास्थ्य के अलावा,वायु प्रदूषण पशुधन और कृषि को प्रभावित करता है। कण पदार्थों के उच्च स्तर के संपर्क में आने वाले जानवर श्वसन संबंधी समस्याएं और दूध का उत्पादन कम होते हैं। वायु प्रदूषण के परिणामस्वरूप भूमि स्तर पर ओजोन,प्रकाश संश्लेषण को बाधित करके फसल उपज को खतरे में डालता है और पौधों की वृद्धि को रोकता है। वायु प्रदूषण भारत के लिए भी भारी आर्थिक बोझ लाता है। अनुमानों से पता चलता है कि देश की सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 3 प्रतिशत के बराबर 95 अरब डॉलर और 150 बिलियन डॉलर का वार्षिक नुकसान होता है। ये नुकसान कई कारकों से आते हैं-श्रम उत्पादकता में कमी, प्रदूषण-संबंधित बीमारियों के कारण स्वास्थ्य देखभाल की लागत बढ़ जाती है और समय से पहले मौतों के कारण आर्थिक उत्पादन कम होता है। यह संकट कारकों के एक जटिल नेटवर्क में जड़ है। जलद शहरी विकास और औद्योगिक विकास,साथ ही पर्यावरण कानूनों का कमजोर कार्यान्वयन ने भारतीय शहरों को प्रदूषण के हॉटस्पॉट में बदल दिया है। निजी कारों में तेजी से वृद्धि और अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन के कारण वाहन उत्सर्जन मुख्य कारण बना हुआ है। कोयले से चलने वाले थर्मल पावर स्टेशन और ईंट विनिर्माण सुविधाएं प्रदूषकों की बड़ी मात्रा में उत्सर्जन करती हैं,जबकि निर्माण कार्य धूल उत्पन्न करते हैं जो हवा में रहती है। पंजाब और हरियाणा जैसे क्षेत्रों में मौसमी खरपतवार जलने से दिल्ली में शीतकालीन धुंध फैलती है। ग्रामीण और उपनगरीय घरों में खाना पकाने के लिए बायोमास का उपयोग आंतरिक और बाहरी वायु प्रदूषण दोनों में एक शांत लेकिन महत्वपूर्ण कारक है। सामूहिक रूप से, ये तत्व वायु प्रदूषण की आपात स्थिति बनाते हैं जो तत्काल समाधानों का विरोध करता है। इस मुद्दे से निपटने में जनता की जागरूकता महत्वपूर्ण है। हालांकि सरकारी नियम और तकनीकी समाधान आवश्यक हैं, लेकिन नागरिकों का व्यवहार उनकी प्रभावशीलता निर्धारित कर सकता है। दिल्ली में ओड-ईवन वाहन प्रतिबंध या प्रधानमंत्री उवला योजना के माध्यम से स्वच्छ एलपीजी खाना पकाने वाले ईंधन को प्रोत्साहित करने जैसी पहल यह प्रदर्शित करती हैं कि सक्रिय सार्वजनिक भागीदारी से महत्वपूर्ण प्रगति की जा सकती है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सुविचार

नवमी शक्तिपीठों के साथ दुर्गा पंडालों में जगत जननी की हुई पूजा

आज धूमधाम से मनाया जाएगा विजया दशमी का त्योहार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

शारदीय नवरात्रि की नवमी तिथि पर बुधवार को शक्तिपीठों के साथ दुर्गा पंडालों में जगत जननी की पूजा की गई। पूरे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ देवी मंदिरों व पंडालों में उमड़ी रही। सुबह से ही मां के दर्शन के लिए लोग कतार में खड़े रहे। हवन-पूजन के बाद कन्या भोज का भी आयोजन किया गया। इसके साथा ही शारदीय नवरात्र की पूर्णाहूति हुई। गुरुवार को विजया दशमी मनाया जाएगा। इस अवसर पर हिन्दू एकता मंच द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए संठन द्वारा पिछले कई दिनों से तैयारी की गई है। शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से चल रही है। श्रद्धालु माता रानी की आराधना में लीन हैं। बुधवार को नवमी तिथि पर महामाया मंदिर, समलाया मंदिर,मां दुर्गा शक्तिपीठ गांधी चौक,संत हरकेवल मंदिर,काली मंदिर,रघुनाथपुर मंदिर, शीतला मंदिर सहित शहर के सभी देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ सुबह से लगी रही। लोगों ने विधिविधान से पूजा अर्चना कर अपने परिवार के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। शारदीय नवरात्रि की नवमी पर पूजा पंडालों व देवी मंदिरों में हवन पूजन की गई। भक्तों से श्रद्धापूर्णक हवन कर अपने परिवार के लिए सुख शांति की कामना की। हवन के बाद भक्तों द्वारा कन्या को भोजन कराया गया। इसके साथ नवरात्र की समाप्ति हुई। सरगुजा राजपरिवार के मुखिया टीएस सिंहदेव एवं उनके उत्तराधिकारी आदित्येश्वर शरण सिंहदेव द्वारा विजया दशमी के दिन गुरुवार को शस्त्र पूजन रघुनाथ पैलेस में किया जाएगा। राजपुरोहित द्वारा पूजा कराई जाएगी। इस दिन रघुनाथ पैलेस कचहरी में टीएस सिंहदेव आमजनों से मुलाकात करेंगे एवं नीलकंठ पूजा सम्पन्न होगी। महाअष्टमी के अवसर पर शहर व आस-पास के गामीण क्षेत्रों से श्रद्धालुओं ने शहर के विभिन्न पंडालों में पहुंच कर मां के दर्शन किए। शहर के विभिन्न जगहों पर आकर्षक पंडाल में मां की प्रतिमाएं स्थापित की गई है। पंडालों में भी पूजा-अर्चना हेतु श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरा के अवसर पर हिन्दू युवा एकता मंच द्वारा शहर में विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। विजयदशमी के दिन कलाकेन्द्र मैदान गांधी चौक से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जो महामाया मंदिर तक जाएगी। इस दौरान महामाया मंदिर परिसर में गंगा महाआरती का आयोजन किया जाएगा। मंच के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा अधिक से अधिक संख्या में लोगों से रैली में सम्मिलित होने की अपील की गई है।

नवगठित जिला कार्यकारिणी की परिचयात्मक प्रथम बैठक सम्पन्न,संगठन को मजबूत करने का लिया संकल्प

-संवाददाता-
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

आज भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा की विशेष उपस्थिति में नवगठित सरगुजा भाजपा जिला पदाधिकारियों की परिचयात्मक प्रथम बैठक संपन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने कहा कि नवरात्रि जैसे शुभ अवसर पर हमारी जिला कार्यकारिणी का गठन संगठन की ऊर्जा और संकल्प को नया आयाम देता है। हम सभी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता हैं और यह हमारे लिए गर्व का विषय है। जिस तरह हम अपने परिवार की जिम्मेदारी निभाते हैं,उसी समर्पण और निष्ठा से हमें पार्टी को समय देना होगा। आज भाजपा का यह स्वर्णिम काल हमारे पूर्वज नेताओं के संघर्ष, तपस्या और बलिदान का परिणाम है। इस विरासत को सहेजना और आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है। सेवा पखवाड़ा जैसे कार्यक्रमों की शत-प्रतिशत सफलता सरगुजा भाजपा के मजबूत संगठन और कार्यकर्ताओं की लगन का परिणाम है। आने वाले समय में यही भावना हमें और बड़ी सफलताओं तक पहुँचाएगी। अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने सबको बधाई देते हुए कहा कि नवगठित जिला कार्यकारिणी भाजपा की संगठनात्मक शक्ति और एकजुटता का प्रतीक है। यह कार्यकारिणी हमारे वरिष्ठ नेताओं के त्याग और तपस्या की नींव पर खड़ी है। हमें गर्व है कि आज यह टीम सरगुजा में संगठन को नई दिशा देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारा दायित्व है कि हम मिलकर जनता के बीच पार्टी की नीतियों को पहुँचाएँ, संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त करें और आने वाले सभी कार्यक्रमों को सफल बनाएं। हमें यह विश्वास है कि हम सबके सामूहिक प्रयास से सरगुजा भाजपा पूरे प्रदेश में उदाहरण प्रस्तुत करेगी। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा ने कहा कि भाजपा की नई जिला कार्यकारिणी संगठन के विस्तार और मजबूती का प्रतीक है। सभी पदाधिकारी एकजुटता के साथ संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाएँगे। बैठक का संचालन जिला महामंत्री विनोद हर्ष ने किया तथा जिला महामंत्री द्वय अरुणा सिंह, उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, उपाध्यक्ष विकास पांडेय, मंत्री वैभव सिंह देव, पुस्तकालय प्रभारी विवेक दुबे सहित अन्य पदाधिकारियों ने बैठक को सम्बोधित किए तथा संगठन के लिए समर्पण और एकजुटता के साथ काम करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नवगठित पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष-दिनेश साहू, चंद्रिका यादव,मधु चौदाहा,इंदर भगत,मंत्री - रजनीश पाण्डेय,रज्जु राम,नीरू मिस्त्री,पूनम टेकाम, सुनीता राजवाड़े,कोषाध्यक्ष-निश्चल प्रताप सिंह, सह कोषाध्यक्ष-सचिन अग्रवाल,प्रवक्ता-अजय सिंह (बबलू),संवाद प्रमुख रूपेश दुबे, सह संवाद प्रमुख - धनंजय मिश्रा, जतिन परमार, कार्यालय प्रभारी अनिल जायसवाल, सह कार्यालय प्रभारी - संतोष बिहाड़े, रामप्रवेश पाण्डेय, सोशल मीडिया प्रभारी विकास वर्मा (रिंकु), सोशल मीडिया सह प्रभारी रविशंकर जायसवाल सहित अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सक की वापसी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने उठाई आवाज

-संवाददाता-
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सरगांव क्षेत्र के पशुपालकों ने जिला प्रशासन से पशु चिकित्सक उमेश कुशवाहा को पुनः सरगांव स्थित पशु अस्पताल में पदस्थ करने की मांग की है। ज्ञात हो कि पशु चिकित्सक उमेश कुशवाहा को विगत एक वर्ष से जिला पशु विभाग कार्यालय में संलग्न कर रखा गया है,जिससे सरगांव अस्पताल चिकित्सक विहीन हो गया है। इस स्थिति के चलते आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण जैसे आवश्यक पशु चिकित्सा कार्य ठप हो गए हैं। इससे पशुओं की बीमारियों का उपचार समय पर न हो पाने से पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या से उपसंचालक पशु चिकित्सा को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने कलेक्टर से अनुरोध किया है कि उमेश कुशवाहा का मलगनीकरण समाप्त कर उन्हें शीघ्र पशु अस्पताल सरगांव में पुनः पदस्थ किया जाए।

अल्पसंख्यक आयोग सदस्य से मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

-संवाददाता-
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य प्रकाश मोदी के सरगुजा प्रवास के दौरान सीरतुन्नबी कमेटी के अध्यक्ष जमाल खान के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर शिक्षा, रोजगार, तकनीकी प्रशिक्षण, कब्रिस्तान, ईदगाह सहित बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। कमेटी ने उन्हें एक 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि मुस्लिम समाज का बड़ा वर्ग आज भी विकास की मुख्यधारा से दूर है। प्रतिनिधिमंडल ने 5 एकड़ जमीन पर अल्पसंख्यक विद्यालय की स्थापना, उर्दू शिक्षकों की भर्ती, छात्राओं के लिए सुरक्षित छात्रावास शुरू करने, और अनुदान प्राप्त मदरसों को लंबित राशि तत्काल देने की मांग की। इसके अलावा तकनीकी शिक्षा, स्टार्टअप्स के लिए आर्थिक सहयोग, छात्रवृत्ति योजना के क्रियान्वयन की आवश्यकता बताई गई। नवागढ़ में नए कब्रिस्तान के लिए भूमि आवंटन तथा असुरक्षित ईदगाह में अहाता निर्माण की मांग भी की गई। प्रतिनिधिमंडल में हाजी रहमत खान, सनउवर हुसैन, निक्की खान व फैजान अहमद शामिल थे।

पुराना केश वापस लेने की धमकी देकर पत्नी से मारपीट,आरोपी पति गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

पुराना केश वापस लेने की धमकी देकर पत्नी के साथ मारपीट के मामले में दरिमा पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार 30 सितंबर को महिला ने दरिमा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया था कि मेरा पति अनिल अग्रवाल 27 सितंबरर की रात करीब 12 बजे सीतापुर वाले केश को वापस लेने की धमकी देकर गाली गलौज करते हुए डंडे से मारपीट किया था। महिला की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 296, 351 (3), 115 (2), 232 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी पति अनिल अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की है।

मशीन से कटाई कर रहे मजदूर पर गिरा पेड़,अस्पताल में मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सड़क निर्माण के लिए मशीन से पेड़ की कटाई कर रहे मजदूर के ऊपर पेड़ गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के राजपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसागुड़ी में सड़क निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई का काम वन विभाग द्वारा कराया जा रहा है। 30 सितम्बर को वन विभाग के ही कर्मचारी पेड़ काटने के लिए थउला राम टेकाम पिता स्व. शीतल टेकाम 55 वर्ष को लेकर गए थे। जानकार कर्मचारियों के अभाव में चांची बेरियर के पास मशीन से पेड़ कटाई का काम मजदूर कर रहे थे, इस दौरान अचानक एक पेड़ मजदूर के ऊपर गिर गया। यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए चिकित्सक ने उसे रेफर कर दिया था। स्वजन घायल को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में मंगलवार को देर रात 11 बजे उसकी मौत हो गई।

भाजपा सरकार में गोवंश की शुरू हो गई है तस्करी शुरू : टीएस सिंहदेव

-संवाददाता-
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

भाजपा सरकार में गोवंश की तस्करी शुरू हो गयी है। गोवंश भूख व दुर्घटना से मर रहे हैं। पिछले पौने दो वर्ष में 40 प्रतिशत गोवंश की कमी हुई है। उक्त बातें बुधवार को कोठी कर में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कही। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था किए कांग्रेस सरकार द्वारा चलाई जा रही गौठान योजना और गोबर खरीदी योजना को बंद कर दिया गय,जिसके कारण पिछले पौने दो साल में चारे-पानी के अभाव में भूख से तथा खुले में घूमने के कारण सड़क दुर्घटना में बड़ी संख्या में गोवंश की मौतें हुई है। पौने दो वर्ष में 850 से अधिक गाय सड़क दुर्घटना में, लगभग 1200 से अधिक गाय चारा के अभाव में भूख से व 200 से अधिक गाय जहरीला पदार्थ आदि खाने से मारी गई। गोठान बंद होने के कारण आवारा घूम रहे गोवंश जब एक समस्या के रूप में सामने आई तो सरकार ने अघोषित रूप से एक बेहद ही क्रूर निर्णय लिया और गो वंश की तस्करी को बढ़ावा देने शुरू कर दिया। 2023 में लगभग 14 लाख गोवंश का राज्य में कांग्रेस की सरकार के समय 10800 गोठानों में व्यवस्थापन होता था उनके लिए चारे-पानी की व्यवस्था होती थी। गायों की मौत के मामले में कांग्रेस ने 6 कमेटिया बनाई है उनकी रिपोर्ट और हमने जो अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से गांव वालों से चर्चा कर जानकारी एकत्रित की वह बहुत ही चौंकाने वाली वाली और दुखद है। दो साल में गांवों और शहरों में पशुओं की संख्या 40 फीसदी तक घट गई है। अर्थात राज्य से पिछले दो सालों में लगभग 5 लाख से अधिक गो वंश गायब हो गए। टीएस सिंहदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी तो गायों की रक्षा के लिए गोठान बनाए,गोबर खरीदी शुरू किया, ताकि लोग गायों का पालन पोषण करे उनकी आय का जरिया बने। भाजपा की डबल इंजन की सरकार तो गो वंश को कत्ल खाने भेज रही है। सरकार ने गोठान बंद कर दिया विकल्प के तौर पर पहले गो अभ्यारण्य बनाने की बात की गई फिर गोधाम बनाने का निर्णय हुआ लेकिन न गो अभ्यारण्य बनाया गया और न ही गो धाम बनाया गया। दिखावे के लिए गोधामों में चारा के लिए राशि की घोषणा भी सरकार ने किया, प्रति पशुधन 10 रुपए प्रतिदिन चारा के लिए आवंटन की बात की गई इतने में कौन सा चारा आयेगा? कांग्रेस ने पिछले पौने दो साल में प्रदेश से गायब लगभग 5 लाख गोवंश के बारे में सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। इसके अलावा सरकार 2023 के पहले के सभी 10800 गौठानों को पुनः शुरू करने, गोठानों में चारा-पानी की सुरक्षित व्यवस्था किया जाने की मांग की है। केरल में एक टीवी चैनल के डिवेट में भाजपा प्रवक्ता पिन्टू महादेवन द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी को गोली मारने की बात कहे जाने पर कांग्रेस में आक्रोश है। पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने प्रेस वार्ता में कहा है कि यह घटना काफी निंदनीय है। तत्काल मामले में कार्रवाई की मांग की है। इस घटना से हिंसा को भडक़ाने की कोशिश की गई है। टीएस सिंहदेव ने कहा कि राष्ट्रीय महासचिव वेणुगोपाल ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। प्रेस वार्ता में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की, शफी अहमद, द्वितेन्द्र मिश्रा, आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, जेपी श्रीवास्तव, अजय अग्रवाल, राकेश गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

नवरात्रि पावन पर्व पर चैतन्य झांकी का दर्शन करने पहुंचे परिवार सहित पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झां ब्रह्माकुमारी संस्था

-संवाददाता-
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय अंबिकापुर द्वारा आयोजित शारदीय नवरात्र के आठवें दिन पर पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा संभाग दीपक कुमार झां उनकी धर्मपत्नी दीपा जी व ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी के द्वारा द्वीप प्रज्वलन एवं आरती के साथ हजारों भक्तगण की उपस्थिति में किया गया। इस कार्यक्रम में परिवार सहित उपस्थित दीपक कुमार झां ब्रह्माकुमारी संस्था में रखे गए झांकी से प्रभावित होते हुए बताया कि यहां का कार्यक्रम ज्ञानयुक्त व अच्छा रहता है।

जिससे उन्होंने प्रेरित हो अपनी धर्मपत्नी को भी चलने के लिए कहा और निश्चित रूप से सभी को यहां आना चाहिए झांकी दर्शन के पश्चात संस्था द्वारा निर्मित आध्यात्मिक म्यूजियम का भी अवलोकन किया। इसके बाद ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी ने बताया कि नवरात्रि के आठवें दिन विशेष हम सबको यह प्रेरणा देता है कि आध्यात्मिक ज्ञान अर्थात सत्य ज्ञान के द्वारा हम अपने जीवन में अष्ट शक्तियों को धारण करके वह दैवी शक्तियों को जागृत कर अपने अंदर के आसुरी संस्कार काम, क्रोध, लोभ, मोह, एवं अहंकार के ऊपर विजय प्राप्त करते हैं जब तक हमारे जीवन में सत्य ज्ञान का प्रकाश नहीं है तब तक हमारे लिए आसुरी संस्कारों पर विजय प्राप्त करना संभव नहीं है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजयोग की शिक्षा देती है जिससे हम एकाग्रता शक्ति को प्राप्त करते हैं। चैतन्य देवीयों के झांकी के समक्ष माताओं एवं बहनों के द्वारा बहुत सुंदर गरबा नृत्य प्रस्तुत किया गया। भारी संख्या में लोगों ने झांकी का दर्शन किया। यह चैतन्य देवियों की झांकी कल 2 अक्टूबर संध्या 6:30 बजे से रात्रि 10:30 बजे तक दर्शकों के लिए दर्शनार्थ रहेगी।

सोनार समाज सराहनीय पहल

समाज के द्वारा माता रानी के दरबार में 3 वर्षीय बच्ची गोद लेकर बच्ची के नाम 51,000 किया फिक्स डिपोजिट

-संवाददाता-
राजपुर,01 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

सोनार समाज राजपुर के पहल पर समाज के एक दम्पत्ति ने नवरात्रि पर्व पर अपने भाई स्व प्रदीप सोनी वार्ड नम्बर 06 नगर पंचायत राजपुर निवासी जिनका विगत माह निधन हो गया था के 4 पुत्रियों में से छोटी पुत्री अप्पी सोनी लगभग 3 वर्ष को माता रानी के दरबार मे पहुँच कर समाज जनों के साथ पुजा अर्चना कर विधिवत गोद लेकर बच्ची के नाम 51000 रूपए अप्पी के नाम फिक्स करने हेतु राशि समाज को सौपा गया। इस अवसर पर सोनार समाज राजपुर के अध्यक्ष सुरेश सोनी पत्नी श्रीमती लक्ष्मी सोनी ,महिला अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सोनी,युवा अध्यक्ष श्री संतोष सोनी,अमृता सोनी,चाँदनी सोनी, अशोक सोनी,पत्नी श्रीमती सुनीता सोनी,बच्ची के दादा श्री बन्धु सोनी,मीना सोनी,बड़े पिताजी दिलीप सोनी सह पत्नी,सुरेंद्र सोनी,दौलत सोनी,सुनील सोनी,नीलम सोनी एवं अन्य लोगो को साक्षी मानकर गोंद लिया जिसे सभी जनों ने आशीर्वाद दिया गया एवं उज्वल भविष्य की कामना किया गया।

SECL अमेरा खदान में फिर विवाद,ग्रामीणों ने कंपनी मैनेजर और पोकलेन चालक को पीटा

-संवाददाता-
लखनपुर,01 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र अंतर्गत स्थष्टरु के अमेरा खदान में बुधवार को एक बार फिर विवाद की स्थिति पैदा हो गई। खदान विस्तार के लिए की जा रही मिट्टी खुदाई को लेकर नाराज ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया और इस दौरान माइनिंग कंपनी के मैनेजर राघवेंद्र पांडे एवं पोकलेन चालक मुनेंद्र पटेल की पिटाई कर दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल दाखिल कराया गया। बाद में घटना की शिकायत लखनपुर थाने में दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार,SECL अमेरा प्रबंधन द्वारा परसोडी कला क्षेत्र की शासकीय भूमि पर खदान विस्तार हेतु मिट्टी खुदाई का काम शुरू किया गया था। इस कार्य के लिए LCC कंपनी को ठेका दिया गया था। कंपनी ने पोकलेन मशीन से खुदाई का कार्य प्रारंभ किया, लेकिन इसी दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने कार्यस्थल पर पहुंचकर काम का विरोध करना शुरू कर दिया।

तुम्हारा किसी और से अफेयर है...यह सुनकर आगबबूला हो गई पत्नी,सो रहे पति के साथ कर दिया बड़ा कांड,अब गई जेल...

-संवाददाता-
सूरजपुर,01 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले में एक भयानक हत्याकांड का पर्दाफाश हुआ है। यहां एक महिला ने अपने ही पति को जिंदा जलाकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद महिला ने रोने-धोने का नाटक किया और लोगों को विश्वास दिलाया कि यह कोई हादसा है। पुलिस ने डेढ़ महीने की गहन जांच के बाद आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पत्नी मूर्ति बाई और पति सुपारी लाल के बीच अक्सर घरेलू विवाद होते रहते थे। पत्नी ने पुलिस को बताया कि पति उस पर शक करता था और अक्सर कहता था कि उसका किसी और पुरुष से अफेयर है। इस तरह के लगातार झगड़ों और तनाव के चलते महिला ने यह क्रूर कदम उठाया।

वारदात को ऐसे दिया अंजाम : थाना प्रभारी विमलेश दुबे ने बताया कि सुपारी लाल स्थष्टरु की कोयला लोड वाहनों में सील लगाने का काम करते थे। 6 अगस्त की सुबह वे घर में खाना खाकर खाट पर सो रहे थे, तभी अचानक उनकी खाट में आग लग गई। जलती खाट से निकलकर वह चीखते हुए बाहर भागे। पड़ोसियों ने तुरंत आग बुझाई और उन्हें गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय पहुँचाया। 85 प्रतिशत शरीर जलने के कारण उन्हें पहले अंबिकापुर और फिर रायपुर रेफर किया गया। दुर्भाग्यवश,रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

रोने का नाटक करने लगी महिला

शुरुआत में महिला ने इस घटना को केवल एक हादसा बताया और आग लगने के बाद रोने का नाटक किया। लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि पति पेट्रोल से जलाए गए थे। इसके बाद फोरेंसिक टीम द्वारा घर में किए गए जांच में भी पेट्रोल के स्पष्ट सबूत मिले। कड़ी पूछताछ के दौरान आरोपी पत्नी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। उन्होंने बताया कि झगड़ों और मानसिक तनाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है और आरोपी को जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा।

क्या मुख्य चिकित्सा अधिकारी व सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय को नहीं चला पा रहे?

- डॉक्टर समय पर आते नहीं पर समय से पहले चले जरूर जाते हैं...
- स्वास्थ्य मंत्री के संभाग की ऐसी स्थिति है तो पूरे प्रदेश की कैसी स्थिति होगी ?
- जिला अस्पताल में समय पर नहीं पहुँचते चिकित्सक...
- सुबह की पाली देर से शुरू,शाम की पाली में अधिकांश डॉक्टर नदारद : मरीज बेहाल

सूरजपुर,01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। जिला सूरजपुर की स्वास्थ्य व्यवस्था खुद बीमार है स्थिति यह है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी व सिविल सर्जन जिला अस्पताल व्यवस्थित ढंग से चला पाने में नाकामयाब, डॉक्टर समय पर आते नहीं पर समय से पहले चले जरूर जाते हैं,ऐसी व्यवस्था आखिर छत्तीसगढ़ के जिला अस्पतालों में कैसे बन गई है? डॉक्टर आते भी हैं तो मरीजों को बस अपने क्लीनिक तक पहुंचने के लिए, उसके बाद फिर वह चले जाते हैं यह आरोप अब मरीजों का जिला अस्पताल से सामने आने लगा है,लगातार सूरजपुर जिला अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था पर उंगली उठने लगी है यहां के मुख्य चिकित्सा अधिकारी व सिविल सर्जन से व्यवस्था सुधर नहीं पा रही है उनकी बात शायद डॉक्टर मन नहीं रहे हैं या तो इनका डर डॉक्टरों में अब है ही नहीं इस वजह से डॉक्टर भी अपनी मनमानी पर उतावला है, सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि स्वास्थ्य मंत्री के संभाग वाले जिले अस्पताल की ऐसी स्थिति है तो फिर बाकी अस्पतालों की स्थिति क्या होगी यदि मुख्य चिकित्सा अधिकारी सूरजपुर व सिविल सर्जन सूरजपुर से व्यवस्था नहीं सुधार पा रहे है तो स्वास्थ्य मंत्री इन्हें हटा क्यों नहीं देते? ऐसे अधिकारी क्यों नहीं रखते हैं जो बेहतर ढंग से सेवा दे पाए और कर्मचारी व डॉक्टर भी समय पर अस्पताल आए और मरीज को इंतजार बिना कारण उनका इलाज करें। जिला अस्पताल में पदस्थ चिकित्सकों की मनमानी से मरीजों को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। इलाज की उम्मीद लेकर पहुँचने वाले मरीज समय पर डॉक्टरों को नहीं पाते। परिणामस्वरूप कई बार उन्हें घंटों लाइन में खड़े रहना पड़ता है, तो कई मजबूर होकर बिना इलाज कराए ही लौट जाते हैं।

समय पर नहीं पहुँचते डॉक्टर

नियम के मुताबिक सुबह 9 बजे से चिकित्सकों की ड्यूटी प्रारंभ होनी चाहिए, लेकिन हकीकत यह है कि अधिकांश डॉक्टर 10 बजे के बाद ही अस्पताल पहुंचते हैं। इससे सुबह जल्दी आने वाले मरीजों को घंटों तक इंतज़ार करना पड़ता है।

बीच में भी गायब रहते हैं...

मरीजों का कहना है कि समय पर पहुँचने में देरी करने के बाद भी डॉक्टर अपने चैंबर में लगातार नहीं बैठते। वे इधर-उधर समय बिताते नजर आते हैं। कई बार गंभीर मरीज भी डॉक्टर को ढूँढते रह जाते हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है।

दोपहर से पहले ही निकल लेते हैं डॉक्टर

डॉक्टरों की लापरवाही यहीं तक सीमित नहीं है। जानकारी के अनुसार कई चिकित्सक दोपहर 1 बजे से पहले ही अस्पताल छोड़ देते हैं। जिससे बाद में आने वाले मरीजों को न तो परामर्श मिलता है और न ही उचित इलाज।

शाम की पाली में तो हालत और भी है खराब

शाम की पाली में तो स्थिति और भी चिंताजनक है। अधिकांश चिकित्सक शाम को ड्यूटी पर पहुँचते ही नहीं। परिणामस्वरूप अस्पताल की दूसरी पारी लगभग नाम मात्र की रह जाती है। ऐसे में जो मरीज शाम को इलाज के लिए आते हैं, उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है।

मरीजों की बढ़ती परेशानी

इस लापरवाही का सीधा असर आम मरीजों पर पड़ रहा है। दूर-दराज से आने वाले ग्रामीण मरीजों को सबसे अधिक परेशानी होती है। उन्हें इलाज कराने के लिए पूरे दिन का समय और अतिरिक्त खर्च दोनों झेलना पड़ता है।

प्रशासन से अपेक्षा

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिला अस्पताल में चिकित्सकों की मनमानी पर रोक लगाना बेहद जरूरी है। वे मांग कर रहे हैं कि अस्पताल में डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस, नियमित निरीक्षण और कठोर कार्रवाई की व्यवस्था की जाए।

मोबाइल शॉप में हुई चोरी का खुलासा

जशपुर पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

-संवाददाता-
जशपुर,01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। घटना के संबंध में जशपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,28.09.25 को प्रार्थी जाकिर हुसैन, उम्र 34 वर्ष, निवासी सुखबासु पारा, वार्ड नंबर 07 थाना बगीचा ने थाना बगीचा में रिपोर्ट दर्ज कराया था,कि उसका महादेव डांड में तनवी मोबाइल शॉप के नाम से मोबाइल फोन का दुकान है। वह दुकान संचालन हेतु प्रतिदिवस बगीचा से महादेवडांड आना जाना करते है, दिनांक 27.09.25 को वह प्रति दिन की भांति शाम लगभग 07.00 बजे के लगभग अपने मोबाइल शॉप को बंद कर, वापस बगीचा आ गया था, दिनांक 28.09.25 को लगभग 08.30 बजे, जब वह वापस अपने दुकान को खोलने, महादेवडांड गया, तो पाया कि उसके दुकान का शटर टूटा हुआ है,प्रार्थी जब शटर को उठाकर, दुकान के अन्दर गया तो देखा,कि उसके दुकान का सारा समान बिखरा पड़ा हुआ था, तथा उसके दुकान से जियो भारत कंपनी का मोबाइल फोन 09 नग, जियो फोन 22 नग, सैमसंग फोन 05 नग, चाइना फोन 06 नग, साथ ही इंफोसिस, विवो, आई टेल, पोको, लावा, मोटो कंपनी की मोबाइल व स्मार्ट वॉच कुल 12 नग व बीटी बॉक्स,हेड फोन,ईयर बड्स, लाइट व रिपेयरिंग हेतु रखा गया मोबाइल फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक समान कुल 25 नग,जिसकी कीमत लगभग 3,20, 000 रु को किसी व्यक्ति के द्वारा चोरी कर ले जाया गया है। रिपोर्ट पर थाना बगीचा में तत्काल चोरी के लिए बी एन एस की धारा 305(क), 331(4) व 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया। व घटना स्थल का निरीक्षण किया गया।

आरोपियों तक ऐसे पहुंची पुलिस

विवेचना के दौरान पुलिस संदिग्ध चोरों की धर पकड़ हेतु प्रयास कर रही थी,आस-पास लगे सीसीटीव्ही कैमरा की फुटेजों को भी पुलिस के द्वारा खंगाला जा रहा था,साथ ही पुलिस की टेक्निकल टीम की मदद लेते हुए, मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया था। पुलिस लगातार संभावित संदिग्धों से पूछताछ कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि उक्त घटना दिनांक की रात्रि को एक संदेही डॉन तिर्की को,महादेव डांड में, रात्रि में घूमते हुए देखा गया था, जब पुलिस ने उस दिशा में जांच शुरू की,और संदिग्ध डॉन तिर्की को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया, शुरुआत में उसके द्वारा पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था, परंतु पुलिस के मनोवैज्ञानिक पूछताछ के आगे वह टूट गया,और बताया कि घटना दिनांक वह अपने तीन साथियों,अरविंद बेक,एलरिक टोप्पो व पुरन थापा के साथ मिलकर शराब पी,इसी दौरान उनके द्वारा मोबाइल शॉप में चोरी की योजना बनाई गई थी,फिर रात्रि में मोबाइल शॉप का ताला तोड़कर उनके द्वारा चोरी कर लिया गया था।

चोरी का सारा सामान बरामद

पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले में शामिल अन्य चोरों अरविंद बेक,एलरिक टोप्पो व पुरन थापा को भी हिरासत में ले लिया गया। व उनकी निशानदेही पर, उनके कब्जे से चोरी के 61 नग मोबाइल फोन,स्पीकर बॉक्स 09 नग,चार्जर 07 नग, हेड फोन 10 नग,ईयर बड्स 05 नग,व टॉर्च 04 नग को बरामद कर जप्त कर लिया गया है।

इन पुलिस अधिकारी कर्मचारियों ने की त्वरित कार्रवाई

मामले की कार्यवाही व आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी बगीचा निरीक्षक संतलाल आयाम,सहायक उप निरीक्षक अनिल कामरे,नरेश मिंज,प्रधान आरक्षक ईस्ताख खान व आरक्षक रमेश गृही की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि थाना बगीचा क्षेत्रांतर्गत महादेव डांड में हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा किया है,जिसमे चार व्यक्तियों के द्वारा मोबाइल शॉप में चोरी की गई थी,उनके कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर लिया गया है,सभी चोरों को गिरफ्तार कर,जेल भेजा गया है।

तालाब में नहाने गए बालक की डूबने से मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। तालाब में नहाने गए बालक की डूबने से मौत हो गई। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम असोला का जयमंगल राम पिता फगुआ राम कंवर 14 वर्ष, मंगलवार को अन्य बच्चों के साथ गांव के कदम तालाब में नहाने के लिए गया था। नहाते समय वह पानी की गहराई में पहुंच गया और तैरना नहीं आने के कारण डूबने लगा। साथ में गए अन्य बच्चे जब उसे डूबते देखे तो घबरा गए और दौड़ते गांव की ओर पहुंचकर रास्ते से आने-जाने वालों की इसकी जानकारी दिए। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आननफानन में जयमंगल को तालाब की गहराई से बाहर निकाले, लेकिन तब तक उसकी स्थिति गंभीर हो गई थी। स्वजन बालक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृत बालक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। घटना से गांव में शोक का माहौल है।

एसईसीएल भटगांव क्षेत्र के अधीनस्थ चल रही बिना परमिट बस अंबिकापुर आरटीओ ने की जप्त

एसईसीएल ईएंडडम विभाग भटगांव के अधिकारी यो कर्मचारियों की मिलीभगत से बिना टैक्स पटाये बिना परमिट बस मार्ग में संचालित

- कोयला कंपनी महाप्रबंधक को क्या इसकी जानकारी नहीं?
- उनके दफ्तर में हो रहा है नौनिहालों के जीवन के साथ खिलवाड़
- स्कूल बसों के रख रखाव सहित वैध दस्तावेजों होने पर ही बसों के संचालन के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश,एसईसीएल के अधिकारी कर रहे हैं सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना

-अविनाश राहगीर-
अम्बिकपुर,01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। मिल रही जानकारी के अनुसार जनता बस के नाम से संचालित एसईसीएल भटगांव में 3 वर्षों के लिए स्कूली बच्चों के परिवहन के लिए अधिग्रहण की गई है, बताया जाता है कि उक्त बस का आज तक किसी भी तरह का कोई परमिट नहीं लिया गया है ना ही शासन को उसका टैक्स पटाया जा रहा है जिसको लेकर स्थानीय बस मालिकों ने आरटीओ को शिकायत की थी आरटीओ में त्वरित कार्रवाई करते हुए बसों को जब्त कर लिया है जिसको लेकर अवैध संचालन करने वाले बस मालिकों में हड़कंप है। विदित हो कि एस ई सी एल भटगांव क्षेत्र के श्रमिकों के बच्चों को स्कूल कॉलेजों तक लाने ले जाने के लिए प्रबंधन बसों को हायर करती है जिसमें प्रथम दृष्टया शर्त यह रहता है कि बस वैद्य तरीके से संचालित हो एवं उसे बस के समस्त दस्तावेज वैद्य हो लेकिन क्षेत्र के भ्रष्ट ईडम विभाग के अधिकारी और कर्मचारी अपने काली कमाई की जुगत में स्कूल कॉलेजों मैं अध्ययन प्राप्त करने जाने वाले छात्र-छात्राओं के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं वैध दस्तावेजों के सत्यापन किए बगैर बस मालिक को भुगतान कर दे रहे हैं जिसके कारण बस मालिक बेसन का परमिट नहीं ले रहा है और राज्य शासन को पटाए जाने वाला टैक्स भी नहीं पता रहा है बताया जाता है कि जब से गाड़ी अधिग्रहण की गई है तब से इसके द्वारा बिना परमिट बिना टैक्स बेसन का संचालन धड़ाधड़ने से कर रहा है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एसईसीएल में बैठे अधिकारी यह ईएंडडम विभाग का चर्चित बाबू से इसकी गहरी सेटिंग है वही फर्जी पेपर तैयार करता हैं और फर्जी परमिट टैक्स रिसीव लगाकर उसका भुगतान करने में उसका सहयोग कर रहा हैं उसके एवज में उसे मोटी रकम ले रहे हैं बताया तो यह भी जाता है कि यह बस मालिक दिनभर दफ्तर में ही मौजूद रहता है उनके छोटे-मोटे कार्यों को वह स्वयं निपटाते रहता है जिसको लेकर अधिकारी इसे बड़े खुश रहते हैं और इसके गलत सलत कार्य मोटी रकम लेकर करते रहते हैं यदि इसके दस्तावेजों की विधिवत जांच की जाए तो लगभग पूरी फाइल ही फर्जी होगी स्थानी बस मालिकों का एक समूह इस पूरे भ्रष्टाचार की शिकायत सह प्रबंध निदेशक एस ई सी एल सहित सीबीआई से करने वाले हैं जांच के उपरांत थी इस पूरे फर्जी वाडे का विस्तार से खुलासा हो सकेगा,सुप्रीम कोर्ट स्कूली बसों को लेकर हमेशा सख्त रहा है और इस बात पर पूरे देशभर के परिवहन विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को स्पेशल निर्देश दिए जाते हैं कि साल में इन गाड़ियों के सभी तरह का भौतिक सत्यापन एवं दस्तावेजों की जांच की जाए और यदि जो वहां अनफिट है विद्या पेपर से सुसज्जित नहीं है उन्हें तत्काल ब्लैकलिस्टेड किया जाए लेकिन यह बस जिले के दो आरटीओ से रोज गुजरती थी आखिर विभाग के जॉच अधिकारी क्या इससे मिलने वाले चंद पैसों के लिए लेकर बच्चों को भविष्य के साथ खिलवाड़ क्यों कर रहे हैं?

सोनहत थाना प्रभारी को आई जी सरगुजा ने किया निलंबित

-अविनाश राहगीर-
अम्बिकापुर/कोरिया 01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। सोनहत थाना प्रभारी हेमंत अग्रवाल को आई जी सरगुजा ने निलंबित कर दिया है। इस सबन्ध में जारी निलंबन आदेश अनुसार आवेदक श्यामसुंदर गिरी,कृष्णा गिरी आ. स्व. जद्दू गिरी दोनों निवासी ग्राम रसौंकी, थाना बिहारपुर,जिला सूरजपुर द्वारा अनावेदकगण रमेश यादव एवं सुरेश यादव आ. ब्रम्हलाल निवासी ग्राम सेमरिया थाना व तहसील सोनहत जिला कोरिया एवं बृजनन्दन आ0 स्व. शनी कुमार सिंह निवासी ग्राम रसौकी थाना व तहसील बिहारपुर जिला सूरजपुर के विरूद्ध शिकायत आवेदन पत्र दिनांक 25.09.2025 को थाना सोनहत में प्रस्तुत किया गया था। आवेदक एवं अनावेदकगण का पुराना विवाद रहा है,इसके बावजूद भी जब आवेदक थाना में शिकायत करने आये तो उनकी शिकायत को गंभीरता से नहीं लेते हुए दिनांक 26.09.2025 को आवेदकों को ही पुनः थाना बुलाया गया, थाना से वापस आते समय अनावेदक रमेश यादव के द्वारा पिकप क्र. सीजी. 16 सी.क्यू.8828 से ठोकर मारकर रामगिरी

की हत्या कर दी गई, जिस पर थाना सोनहत में अप.क. 122/2025 धारा 103 (1) बीएनएस, दर्ज किया गया है। प्रकरण में अन्य आरोपी भी हैं,जिनके विरूद्ध थाना प्रभारी सोनहत द्वारा कार्यवाही नहीं करने एवं उन्हें अपराध से पृथक करने की आशंका आवेदकों द्वारा व्यक्त किया गया है। निरीक्षक हेमन्त अग्रवाल,थाना प्रभारी सोनहत जिला कोरिया के द्वारा उक्त प्रकरण में तत्परतापूर्वक कार्यवाही नहीं करने से उक्त घटना घटित होना परिलक्षित होता है साथ ही इनके थाना प्रभारी रहने से प्रकरण में निष्पक्ष जांच प्रभावित होना भी संभावित है। अतः निरी. थाना प्रभारी सोनहत हेमन्त अग्रवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केन्द्र बैकुंठपुर,जिला कोरिया संबद्ध किया जाता है। निलंबन अवधि में निरी. हेमन्त अग्रवाल को नियमानुसार गुजारा भत्ता देय होगा।

पिकप दुर्घटना के बाद ही सोशल मीडिया के माध्यम से उठे थे सवाल : पिकप और बाइक की दुर्घटना उपरांत ही लोगो ने शोशल मीडिया के माध्यम से सवाल उठाते हुए मामले की जांच की मांग करने लगे थे। चुकी दुर्घटना किसी मोड़ पर अथवा दुर्घटना जन्य क्षेत्र में न होते हुए, सीधे सड़क पर हुई थी जिसके बाद ही कुछ लोगो ने सवाल उठाते हुए जांच की मांग करने लगे थे । कुछ लोगो ने सोशल मीडिया पर इनके पुराने विवादों के सबन्ध में भी पोस्ट किया था जिससे मामला संदेहास्पद लगने लगा था।

सोशल मीडिया पर खूब शेयर हुआ निलंबन आदेश : थाना प्रभारी सोनहत का निलंबन आदेश सोशल मीडिया पर जम कर वायरल हुआ उल्लेखनीय है कि पूर्व में जनपद पंचायत सोनहत की अध्यक्ष,जिला पंचायत सदस्य सहित भाजपा मंडल के महामंत्री युवा मोर्चा के अध्यक्ष सोनहत के उप सरपंच एवं अन्य पदाधिकारियों ने थाना प्रभारी सोनहत को हटाए जाने की शिकायत किया था लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई थी, वर्तमान में निलंबन आदेश जारी होने के बाद आदेश को भाजपा पदाधिकारियो ने भी वायरल किया भाजपा मंडल के नेता मानोज साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार है इसमें जनता के प्रति लापरवाही स्वीकार नही की जाती, लापरवाही करने वालो पर नियमानुसार कार्यवाही होती है।

श्याम बिहारी जायसवाल के स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद का उनका दूसरा जन्मदिवस क्या है खास!

छत्तीसगढ़ के गठन के बाद से अब तक के स्वास्थ्य मंत्रियों की सूची इस प्रकार है...

- श्री श्याम बिहारी जायसवाल दिसंबर 2023 से वर्तमान तक।
- पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)
- श्री टी. एस. सिंह देवः दिसंबर 2018 से दिसंबर 2023 तक।
- पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
- श्री अजय चंद्राकर दिसंबर 2013 से दिसंबर 2018 तक।
- पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)
- श्री अमर अग्रवालः 2008 से दिसंबर 2013 तक।
- पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)
- श्री कृष्णमूर्ति बांधीः 2003 से 2008 तक।
- पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)
- डॉ. रेणु जोगी नवंबर 2000 से दिसंबर 2003 तक।
- पार्टीः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद दो साल का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है,समर्थक व मीडिया प्रतिनिधि ने उपलब्धि को साझा किया जन्मदिवस पर...

छत्तीसगढ़ के सबसे कद्दावर मंत्रियों में हैं शुमार श्याम बिहारी जायसवाल...

श्याम बिहारी जायसवाल छत्तीसगढ़ के अन्य मंत्रियों की अपेक्षा दौर में भी सबसे अव्वल...

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का जन्मोत्सव धूमधाम से मना...

नवरात्रि के अंतिम दिन पूरे विधानसभा क्षेत्र में उमड़ा जनसैलाब,मां महामाया के दरबार में शीश नवाकर लिया आशीर्वाद

एमसीबी/कोरिया/सरगुजा, 01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

अविभाजित कोरिया वर्तमान में नवीन जिले एमसीबी के खड़गवां विकासखंड के रतनपुर ग्राम में 1 अक्टूबर 1976 को जन्मे श्याम बिहारी जायसवाल आज छत्तीसगढ़ प्रदेश के छठवें स्वास्थ्य मंत्री हैं और भाजपा के चौथे स्वास्थ्य मंत्री, एक छोटे से गांव में जन्मे श्याम बिहारी जायसवाल छत्तीसगढ़ के छठवें स्वास्थ्य मंत्री होंगे ऐसा किसी को भी अंदाजा नहीं था,लेकिन आज वह छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार में सबसे बड़े मंत्रियों में अपना नाम शुमार करते नजर आते हैं, मंत्री बनने के बाद यह उनका दूसरा जन्मदिवस अवसर है जिसमें उनका भव्य जन्मदिवस मनाया गया, सुबह से शाम तक उनके घर में बधाई देने वालों का तांता लगा रहा, जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए,अब क्या यह उन ऊंचाइयों तक पहुंच चुके हैं जहां तक पहुंचना था या फिर इससे भी ऊपर की ऊंचाई यह छूने की काबिलियत रखते हैं? अब यह तो आगे आने वाला इनका कार्यकाल व समय बताएगा, अभी की स्थिति में उनके सामने उनके विरोधी पस्त हैं, उनके सामने सिर उठाने तक की उनके विरोधियों के पास हिम्मत नहीं बची है,जिन्हें उनके सामने आगामी चुनाव लड़ना है वह विधानसभा को छोड़कर बाहर निकल चुके हैं,बीच में नगरीय निकाय चुनाव के लिए वह आए थे और ऐसी करारी हार उन्हें मिली कि वह अपने ही गृह वार्ड से चुनाव हार गए,उसके बाद फिर वह क्षेत्र से दूरी बना लिए , ऐसा लग रहा है कि नगरीय निकाय चुनाव उनका अंतिम चुनाव था। नवरात्र के अंतिम दिन,1 अक्टूबर को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल का जन्मोत्सव पूरे विधानसभा क्षेत्र में बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। बीती रात से ही उनके चाहने वालों का तांता लगा रहा। सुबह सबसे पहले श्री जायसवाल ने अपने परिवार के बीच जन्मदिवस मनाया और जन्मदायिनी माता का आशीर्वाद लिया। इसके बाद खड़गवां स्थित मां महामाया मंदिर चनवारी डांड पहुंचे और जगत जननी के चरणों में शीश नवाकर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में ही केक काटा गया और भक्तों के बीच फल वितरण किया गया। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी, बेटी और परिवारजन साथ में मौजूद रहे।

जगह-जगह स्वागत,जनता का उमड़ा सैलाब

जन्मोत्सव कार्यक्रम विधानसभा के विभिन्न हिस्सों...चिरमिरी, खड़गवां,मनेंद्रगढ़ और झगराखांड में पूरे दिन और आधी रात तक चलता रहा। जनता ने हल्दीबाड़ी के यातायात चौक,ग्राम पंचायत दुबछोला,ग्राम पंचायत बरदर,ग्राम पंचायत देवाडांड,ग्राम पंचायत मेंड्रा,ग्राम पंचायत कोड़ा,ग्राम पंचायत भौता,ग्राम पंचायत पाराडोल,नगर पंचायत लेदरी, नगर पंचायत झगराखांड, मनेंद्रगढ़ के खेड़िया टॉकीज तिराहा,भूपेंद्र क्लब पानी टंकी,हरियाणा भवन, चिरमिरी के जीएम कॉम्प्लेक्स, नगर निगम पार्क, अंबेडकर चौक कोरिया, शनिचरी मार्केट, गुरुद्वारा कॉम्प्लेक्स और बड़ा बाजार, छोटा बाजार लाहिडी पीजी ग्राउंड चिरमिरी सहित अनेक जगहों पर फूलमालाओं और केक के साथ मंत्री जी का स्वागत किया।

जन्मदिवस अवसर पर पहुंचे चनवारीडांड महामाया मंदिर,माता का लिया आशीर्वाद-

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अपने जन्मदिवस के दिन हर वर्ष की भांति चनवारीडांड महामाया मंदिर पहुंचे और माता महामाया का दर्शन कर उन्होंने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस वर्ष स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस के दिन शारदेय नवरात्रि की नवमी तिथि भी थी इस कारण मंदिर में भक्तों का तांता भी लगा था,सभी ने स्वास्थ्य मंत्री को जन्मदिवस पर शुभकामनाएं प्रदान की,स्वास्थ्य मंत्री ने महामाया मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना उपरांत दिन की शुरुआत की और उन्होंने माता के आशीर्वाद उपरांत विभिन्न अन्य कार्यक्रमों में जाने के लिए प्रस्थान किया।

अस्पतालों और रक्तदान शिविर में भी मनाया गया जन्मोत्सव

खड़गवां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बीएमओ के नेतृत्व में मरीजों को फल और कंबल बांटकर जन्मोत्सव मनाया गया। वहीं चिरमिरी जिला अस्पताल में सीएमओ डॉ. अविनाश खरे के नेतृत्व में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। इस मौके पर मेडिकल स्टाफ और आमजन ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। अस्पताल प्रबंधन ने मंत्री जी को माता रानी की प्रतिमा भेंट स्वरूप प्रदान

मेरा जीवन जनता की सेवा के लिए समर्पित,जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही आज दिवस मेरा संकल्प,श्याम बिहारी जायसवाल स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री ने अपने जन्मदिवस के दिन यह संकल्प लिया कि उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य और लक्ष्य एकमात्र है कि वह जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना चाहते हैं,उन्होंने कहा कि मेरा जीवन जनता के लिए ही समर्पित रहा है जो आगे भी रहेगा,पहले जिम्मेदारी क्षेत्र की जनता तक थी वर्तमान में सरकार और मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश की जनता की स्वास्थ्य जिम्मेदारी प्रदान की है जो बड़ी जिम्मेदारी है और जिसे अच्छी तरह निभाना ही मेरा कर्तव्य है,स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग जनता के स्वास्थ्य से जुड़ा विभाग है और इस विभाग में चुनौतियां हर पल हैं फिर भी वह हर चुनौती से निपटने तैयार रहते हैं और आगे भी तैयार रहेंगे,स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी कहा कि निर्वाचित होकर जनप्रतिनिधि बनना एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ जुड़ने का काम है,हर पल जनता की हर जरूरत के लिए उनके सहयोग के लिए उनकी सहायता के लिए खड़े रहने का नाम ही निर्वाचित होना है,मुझे अपने कर्तव्य और जिम्मेदारी का एहसास है और कोई निराश नहीं होगा यह मेरा वादा है।

जन्मदिवस विशेष

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने वाले हैं,उपलब्धियां उनकी अभी तक की यह हैं...

1. साय सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बने श्याम बिहारी जायसवाल, लगभग दो सालों में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी को दी सौगातें।
2. रेल,सड़क,शिक्षा और स्वास्थ्य में नए आयाम,अमृत जल मिशन से हर घर नल तक पानी की योजना।
3. संघर्ष से नेतृत्व तकः भाजपा संगठन से उठकर राज्य की राजनीति में नई पहचान बनाई।

राजनीतिक सफर और शिक्षा-

श्याम बिहारी जायसवाल का जन्म 1 अक्टूबर 1976 को हुआ। वे छात्र राजनीति से सक्रिय रहे और धीरे-धीरे भारतीय जनता पार्टी में संगठनात्मक जिम्मेदारियाँ निभाते हुए आगे बढ़े। शिक्षा से जुड़े होने के कारण युवाओं में लोकप्रिय चेहरा बने। लगातार जनसंपर्क और संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने से 2023 में मनेंद्रगढ़ विधानसभा से विधायक चुने गए। 2025 में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार में उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया।

भाजपा में योगदान

लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी रहे। प्रदेश संगठन में कई दायित्वों का निर्वहन किया। युवाओं को पार्टी से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई। सामाजिक सरोकारों और जनहित कार्यों में हमेशा अग्रणी रहे।

मंत्री बनने के बाद उपलब्धियाँ (मनेंद्रगढ़-चिरमिरी क्षेत्र)

रेल कनेक्टिविटी

नागपुर-चिरमिरी नई रेल लाइन व हाल्ट परियोजना को लेकर केंद्र से बजट स्वीकृति।
भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया छह गांवों में प्रारंभ।
यह परियोजना क्षेत्र को नए औद्योगिक और पर्यटन अवसरों से जोड़ेगी।

सड़क विकास

चिरमिरी-मनेंद्रगढ़ साजा पहाड़ सड़क चौड़ीकरण व उन्नयन कार्य ?40.56 करोड़ की लागत से शुरू।
लगभग 17.40 किमी लंबी सड़क क्षेत्र की कनेक्टिविटी को नया आयाम देगी।

पेयजल और ग्रामीण विकास

अमृत जल मिशन योजना के अंतर्गत 184 करोड़ की लागत से बड़ी पानी की टंकी निर्माणाधीन।
हर घर नल योजना से चिरमिरी-मनेंद्रगढ़ में जल संकट का स्थायी समाधान।
ग्रामीण अंचलों में सड़क,बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर जोर।

शिक्षा और स्वास्थ्य पहल

उद्यानिकी महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक कॉलेज, आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, मनोचिकित्सक महाविद्यालय की स्थापना और निर्माण की दिशा में पहल।
जिला अस्पताल का उन्नयन और मेडिकल कॉलेज की प्रक्रिया पर काम जारी।
आडिटोरियम और नालंदा की तर्ज पर स्मार्ट लाइब्रेरी व क्लासेज की योजना तैयार।

जीवनशैली और व्यक्तिगत छवि

सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले श्याम बिहारी जायसवाल जनता के बीच जनप्रिय और सहज नेता माने जाते हैं। स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए भी वे लगातार जनता से जुड़े रहते हैं और समस्याओं का समाधान करने के लिए उपलब्ध रहते हैं। उनके कामकाज की शैली में पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास केंद्रित दृष्टिकोण साफ दिखाई देता है।

निष्कर्ष

श्याम बिहारी जायसवाल ने राजनीति में कदम रखने के बाद हमेशा जनता के बीच रहकर कार्य किया। साय सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद उन्होंने मनेंद्रगढ़-चिरमिरी क्षेत्र को रेल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी महत्वपूर्ण सौगातें दीं। उनके जन्मदिवस पर यह कहना उचित होगा कि आने वाले समय में वे न सिर्फ अपने क्षेत्र बल्कि पूरे प्रदेश के लिए विकास की नई दिशा तय करेंगे।

अस्पताल में मनाया गया स्वास्थ्य मंत्री का जन्मदिवस- स्वास्थ्य मंत्री का जन्मदिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां में भी मनाया गया,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां में स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां पहुंचकर स्वास्थ्य मंत्री ने कार्यक्रम में शिरकत की और इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों सहित अन्य कर्मचारियों ने उनके जन्मदिवस अवसर पर उन्हें बधाइयां प्रदान की,स्वास्थ्य मंत्री ने इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों से भी मुलाकात की और उनके जल्द स्वास्थ्य होने की उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की। स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य केंद्र के कार्यक्रम के पश्चात चिरमिरी के लिए रवाना हुए जहां उन्हें विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होना था। स्वास्थ्य मंत्री का जन्मदिवस जिला चिकित्सालय एमसीबी चिरमिरी में भी मनाया गया जहां आयोजित जन्मदिवस कार्यक्रम में वह उपस्थित हुए और जहां उन्हें जिला अस्पताल के अधिकारी कर्मचारियों ने बधाई दी और स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों से भेंट कर उन्हें जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए शुभकामनाएं प्रदान की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोरबा में श्री राम कथा महोत्सव में हुए शामिल

-संवाददाता-
कोरबा,01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा के एकदिवसीय प्रवास पर आए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कोरबा नगरीय क्षेत्र स्थित भवानी मंदिर परिसर में आयोजित श्री राम कथा महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने परिसर में राम कथा वाचन के लिए आए श्री श्री 1008 जगदुरू श्री रामभद्राचार्य के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया एवं प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने महोत्सव में आए श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए सभी को नवरात्रि एवं दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु के कोरबा आगमन से ऊर्जाधानी की धरती धन्य हो गयी है। उनका आशीर्वाद प्रदेशवासियों पर सदैव बनी रहे।
उन्होंने कार्यक्रम की आयोजन कर्ता ज्योति पांडे को भव्य आयोजन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी माता कौशिल्या का मायके एवं हमारे आराध्य भगवान श्री राम का नौनिहाल है। यहां प्रभु श्री राम ने माता सीता एवं भाई लक्ष्मण के साथ अपने वनवास के दौरान अधिकांश समय यहां व्यतीत किया है। राजिम में भगवान श्री राम व माता सीता द्वारा कुलेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना की गई है। जहां प्रतिवर्ष कुंभ

मेला का आयोजन किया जाता है। हजारों श्रद्धालु स्नान कर पुण्य प्राप्त करते है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कोरबा प्रवास के दौरान शहर के घंटाघर ओपन थिएटर मैदान में नगर निगम द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने सभी को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं,साथ ही सभी के जीवन मे सुख शांति समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि नवरात्रि पर्व हमें शक्ति,भक्ति और सद्भाव का संदेश देता है। इन 9 दिनों में हम माता के 9 रूपों की भक्ति भाव से पूजा करते है,ऐसे अवसर पर इस प्रकार के भव्य रामलीला का आयोजन बड़े ही गर्व की बात है। उन्होंने आयोजन समिति को रामलीला महोत्सव के भव्य आयोजन के लिए सराहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलीला हमारे जीवन मूल्यों और आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। रामलीला को देखकर बचपन की स्मृति ताजा हो गई।

छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,जल संसाधन संभाग बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक-03/ व. ले.नि./2025-26 दिनांक 29.09.2025 निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 21.10.2025 (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :

स0 क्रं0	सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	176663	सूर्या व्यपवर्तन योजना के वियर बॉडी,फ्लोर, कटाऑफ का जीर्णोद्धार, एवं वियर बॉडी का रिटर्न वॉल,प्रोटेक्शन वॉल और मुख्य नहर में आर.डी. 0 मी. से 850 मी. के बीच आर0सी0सी0 चैनल का निर्माण और मुख्य नहर में आर0डी0 0 मी. से 2310 मी0 के बीच मिट्टी का कार्य ।	रू0. 342.87 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 06-10-2025 समय 17.30 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।
नोटः निविदा मे भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग बलरामपुर
बलमपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार जल संसाधन विभाग
अंबिकापुर सरगुजा (छ.ग.)
जी नंबर-252603887/2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) भैयाथान,जिला सूरजपुर (छ0ग0
ईश्तहार
रा.प्र.क्र./अ-2/2024-25

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत शिव प्रसाद नगर/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि गणेश कुमार पिता/पति श्री प्रभू राम निवासी शिवप्रसाद नगर के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं0 43/6 रकबा 0.02 हे0 जो ग्राम शिवप्रसाद नगर प.ह.नं 08. रा0नि0मं0 शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 9/10/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25/9/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भैयाथान

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,
रा0प्र0क्र0/...../अ-20 (3)/2024-25
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामबिलास आए अमृत लाल आयु लगभग 76 वर्ष जाति अग्रवाल निवासी कबीर चौक ओडिसा रोड डीपापारा रायगढ तहसील व जिला रायगढ़ के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला बरेजपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 8 स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2639/2 रकबा 0.02 एकड़ भूमि को अनावेदक दीपक अग्रवाल आठ रामऔतार अग्रवाल निवासी सदर रोड अम्बिकापुर जय प्रकाश तायत आठ रामेश्वर प्रसाद तायल निवासी अग्रसेन वार्ड रामा स्टील बरेज तालाब रोड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
उक्त भू खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/10/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियतः समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-29/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

भगवान श्री रामचंद्र के वनवास गमन से धन्य हुई सरगुजा कोरिया की पावन भूमि

वनवास के दौरान छग में श्री राम का पहला पड़ाव अविभाजित कोरिया के हरचौका को कहा जाता है | हरचौका में तत्कालीन सरकार ने स्थापित कराई है भगवान राम की ऊंची प्रतिमा | जानिए छग के साथ सरगुजा के व स्थान जहाँ से होकर गुजरे थे भगवान श्री राम | राम वन गमन पथ पूर्ववर्ती सरकार की अभिनव योजना

- राजन पाण्डेय -

कोरिया, 01 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। भगवान श्री राम श्री विष्णु जी के अवतार के रूप में पूजे जाते हैं वो ईश्वर के ऐसे रूप हैं जिनका जीवन आदर्श, मर्यादा और धर्म का प्रतीक है। उनके चरित्र को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है,क्योंकि उन्होंने हर परिस्थिति में धर्म और सत्य का पालन किया। रामायण महाकाव्य में उनके जीवन गाथा, वनवास,रावण का वध का वर्णन किया गया है जो एक आदर्श राजा,पुत्र, पति और भाई की छवि प्रस्तुत करती है। भगवान राम आत्मसात करने के लिए लोग अयोध्या के भव्य राम मंदिर पहुंचते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं छत्तीसगढ़ में भी कुछ ऐसी जगहें हैं जहां भगवान राम ने वनवास के दौरान अपना समय बिताया।

भगवान राम के विश्राम करने पर नाम पड़ा विश्रामपुर

जमदग्नि ऋषि के आश्रम में कुछ समय व्यतीत करने के बाद वे विश्रामपुर पहुँचे। रामचंद्र जी द्वारा इस स्थल में विश्राम करने के कारण इस स्थान का नाम विश्रामपुर पडा। इसके बाद वे अंबिकापुर पहुँचे। अंबिकापुर से महरमण्डा ऋषि के आश्रम बिल द्वार गुफा पहुँचे। यह गुफा महान नदी के तट पर स्थित है। यह भीतर से ओम आकृति में बनी हुई है। महरमण्डा ऋषि के आश्रम में कुछ समय व्यतीत कर वे महान नदी के मार्ग से सारासोर पहुँचे। सारासोर जलकुण्ड है,यहाँ महान नदी खरात एवं बडका पर्वत को चीरती हुई पूर्व दिशा में प्रवाहित होती है। कहा जाता है कि पूर्व में यह दोनों पर्वत आपस मे जुडे थे। राम वन गमन के समय राम-लक्ष्मण एवं सीता जी यहाँ आये थे तब पर्वत के उस पार यहाँ ठहरे थे। पर्वत में एक गुफा है जिसे जोगी महाराज की गुफा कहा जाता है। सारासोर-सर एवं पार अरा-असुर नामक राक्षस ने उत्पात मचाया था तब उनके संहार करने के लिये रामचंद्रजी के बाण के प्रहार से ये पर्वत अलग हो गये और उस पार जाकर उस सरा नामक राक्षस का संहार किया था। तब से इस स्थान का नाम सारासोर पड गया। सारासोर में दो पर्वतों के मध्य से अलग होकर उनका हिस्सा स्वागत द्वार के रूप में विद्यमान है। नीचे के हिस्से में नदी कुण्डनुमा आकृति में काफी गहरी है इसे सीताकुण्ड कहा जाता है। सीताकुण्ड में सीता जी ने स्नान किया था और कुछ समय यहाँ व्यतीत कर नदी मार्ग से पहाड के उस पार गये थे। आगे महान नदी ग्राम ओड़गी के पास रेण नदी से संगम करती है। इस प्रकार महान नदी से रेण के तट पर पहुंचे और रेण से होकर रामगढ़ की तलहटी पर बने उदयपुर के पास सीताबेंगा-जोगीमारा गुफा में कुछ समय व्यतीत किया। सीताबेंगरा को प्राचीन नाट्यशाला कहा जाता है तथा जोगीमारा गुफा जहाँ प्रागैतिहासिक काल के चित्र अंकित हैं। रामगढ़ की इस गुफा में सीताजी के ठहरने के कारण इसका नाम सीताबेंगरा गुफा पडा। इसके बाद सीताबेंगरा गुफा के पार्श्व में हथफोर गुफा सुरंग है,जो रामगढ़ की पहाड़ी को आर-पार करती है। हाथी की ऊँचाई में बनी इस गुफा को हथफोर गुफा सुरंग कहा जाता है। रामचंद्रजी इस गुफा सुरंग को पार कर रामगढ की पहाडी के पीछे हिस्से में बने लक्ष्मणगढ पहुँचे। यहाँ पर बनी गुफा को लक्ष्मण गुफा कहा जाता है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ की पावन धरा में वनवास काल में सीता जी एवं लक्ष्मण जी के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम रामचंद्र जी का आगमन हुआ। इनके चरण स्पर्श से छत्तीसगढ़ एवं कोरिया सरगुजा की भूमि पवित्र एवं कोटि-कोटि धन्य हो गयी।

अविभाजित कोरिया के मानोज ने की पद यात्रा

अविभाजित कोरिया जिले के खोंगापानी निवासी मनोज चतुर्वेदी ने रामवन गमन पथ की कोरिया हरचौका से राम राम कोंटा तक पदयात्रा की, इस यात्रा के साथ उन्होंने धर्म जागरण की अलख जगाई और उन्होंने रामायण काल के समय की ऐतिहासिक चीजों को रामवन गमन पथ की यात्रा के दौरान अनुभव किया।

अविभाजित कोरिया के मानोज ने की पद यात्रा

अविभाजित कोरिया जिले के खोंगापानी निवासी मनोज चतुर्वेदी ने रामवन गमन पथ की कोरिया हरचौका से राम राम कोंटा तक पदयात्रा की, इस यात्रा के साथ उन्होंने धर्म जागरण की अलख जगाई और उन्होंने रामायण काल के समय की ऐतिहासिक चीजों को रामवन गमन पथ की यात्रा के दौरान अनुभव किया।

छत्तीसगढ़ सरकार की योजना से राम वन गमन पथ के अंतर्गत आने वाले सभी स्थानों का विकास किया गया

छत्तीसगढ़ सरकार की योजना है कि राम वन गमन पथ के अंतर्गत आने वाले सभी स्थानों का विकास किया जाए, जिससे राज्य की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को संजोया जा सके। पौधारोपण, सड़क निर्माण, मंदिरों का जीर्णोद्धार और पर्यटक सुविधाओं के विकास का कार्य जोरों पर है। सड़क के दोनों ओर खूबसूरत फूलों के पौधे लगाए जा रहे हैं, जिससे पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य का भी अनुभव हो। यह पथ भगवान राम के वनवास काल की स्मृतियों को जीवित रखने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों को भी उजागर कर रहा है। राम वन गमन पथ न केवल भगवान राम की यात्रा को पुनः स्थापित कर रहा है, बल्कि इसे राज्य की पहचान के रूप में भी उभारने का कार्य भी कर रहा है।

राम वन गमन पथ

'राम वन गमन पथ' छत्तीसगढ़ में ऐसी जगहें हैं जहां से भगवान राम गुजरे थे। छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती सरकार ने इस प्राचीन पथ को पुनर्जीवित करने का काम किया है। ताकि लोग इन पवित्र स्थलों से भगवान राम को महसूस कर सकें और श्री राम के वनवास काल की स्मृतियों को संजोया जा सके। राम वन गमन पथ उन मार्गों से होकर गुजरता है,जहां-जहां भगवान राम के चरण पड़े थे। देशभर में लगभग 2 हजार 260 किमी लंबा यह पथ भगवान राम के यात्रा मार्ग का प्रतीक है, जिसका सबसे बड़ा हिस्सा छत्तीसगढ़ से होकर गुजरता है। यह पथ न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि राज्य में पर्यटन विकास की संभावनाओं को भी प्रोत्साहित कर रहा है। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले से शुरू होकर सुकमा जिले तक की लगभग 528 किमी लंबी यात्रा राम वन गमन पथ का हिस्सा है। इस यात्रा के दौरान राज्य के नौ प्रमुख स्थल भगवान राम की स्मृतियों से जुड़े हुए हैं, जिन्हें पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा है। सरकार की योजना है कि राज्य के इन 75 स्थलों को संवार कर एक नए धार्मिक-पर्यटन सर्किट के रूप में प्रस्तुत किया जाए। जिससे यहां की सांस्कृतिक धरोहर को संजोया जा सके। जानते हैं कौन से हैं वो 9 स्थल।

सीतामढ़ी-हरचौका (कोरिया एम सीबी)

छत्तीसगढ़ में राम वन गमन पथ का प्रवेश बिंदु सीतामढ़ी है। यह स्थल सीता माता के नाम से जुड़ा है। यहां स्थित गुफाएं भगवान राम, सीता और लक्ष्मण की उपस्थिति की गवाही देते हैं। लोककथाओं के अनुसार, वनवास के दौरान राम,सीता और लक्ष्मण ने यहां कुछ समय बिताया था।

रामगढ़ (अंबिकापुर)

सरगुजा जिले में स्थित रामगढ़ पहाड़ी का ऐतिहासिक महत्व है। यहां की सीताबेंगरा गुफा अपनी विशेष वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए जानी जाती है। कहते हैं कि यह वही स्थान है जहां भगवान राम ने वनवास के दौरान विश्राम किया था। इस गुफा का सीता माता के कक्ष के रूप में भी उल्लेख मिलता है।

शिवरीनारायण (जांजगीर-चांपा)

शिवरीनारायण वह स्थान है जहां भगवान राम ने शबरी के जूठे बेर खाए थे। इस जगह को शबरी की भक्ति और राम के प्रति समर्पण का प्रतीक माना जाता है। यहाँ शबरी और नर-नारायण का प्राचीन मंदिर स्थित है, जो पौराणिक महत्व को समेटे हुए है।

तुरतुरिया (बलौदाबाजार)

तुरतुरिया, जिसे लव-कुश की जन्मस्थली कहा जाता है, महर्षि वाल्मीकि के आश्रम के लिए प्रसिद्ध है। यहां की तुरतुर आवाज करती जलधारा इस स्थान की पहचान है। वनवास के दौरान भगवान राम ने यहां कुछ समय बिताया था, और यह स्थान धार्मिक महत्व के साथ-साथ प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है।

चंदखुरी (रायपुर)

रायपुर जिले के चंदखुरी को भगवान राम का ननिहाल माना जाता है। यहां माता कौशल्या का प्राचीन मंदिर स्थित है,जो दुनिया में अपनी तरह का एकमात्र मंदिर है। चंदखुरी में भगवान राम की माता के जन्मस्थान के रूप में एक विशेष पहचान है। यह स्थान तालाबों और हरियाली से घिरा हुआ है, जिसे सौंदर्यीकरण के जरिए पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाया जा रहा है।

राजिम (गरियाबंद)

राजिम को छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहा जाता है। यहां महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों का संगम है। यह स्थल भगवान राम के कुलदेवता महादेव की पूजा से जुड़ा हुआ है। संगम तट पर स्थित कुलेश्वर महादेव का मंदिर इस स्थान की धार्मिकता को और भी बढ़ा देता है।

सिहावा-सात्रऋषि आश्रम (धमतरी)

धमतरी जिले की सिहावा पहाड़ियां ऋषियों के आश्रमों के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां शरभंग, अगस्त्य, अंगिरा, श्रृंगी, कंकर, मुचकुंद और गौतम ऋषि के आश्रम स्थित हैं। भगवान राम ने दंडकारण्य में ऋषियों से भेंट की थी और यहां कुछ समय बिताया था।

जगदलपुर (बस्तर)

जगदलपुर में भगवान राम के वनवास की कई कहानियां प्रचलित हैं। यह स्थान बस्तर के हरे-भरे जंगलों के बीच स्थित है, जहां भगवान राम ने अपने वनवास के समय को बिताया था। पांडवों के अंतिम राजा काकतिया की राजधानी के रूप में भी जगदलपुर का ऐतिहासिक महत्व है।

रामाराम (सुकमा)

छत्तीसगढ़ के दक्षिणी सिरे पर स्थित रामाराम वह स्थान है, जहां भगवान राम ने वनवास के दौरान विश्राम किया था। यहां से राम वन गमन पथ आंध्र प्रदेश की ओर बढ़ता है।

छत्तीसगढ में भरतपुर के हरचैका में सबसे पहले पडे थे श्री राम के चरण

सोनहत अयोध्या नरेश राजा दशरथ के द्वारा चैदह वर्षों के वनवास आदेश के मिलते ही,माता-पिता का चरण स्पर्श कर राजपाट छोडकर रामचंद्र जी ने सीताजी एवं लक्ष्मण जी के साथ अयोध्या से प्रस्थान किया, उस समय अयोध्या वासी उनके साथ-साथ तमसा नदी के तट तक साथ-साथ गये एवं अपने प्रिय प्रभु को तमसा नदी पर अंतिम बिदाई दी। वनवास के दौरान प्रभु श्री राम कई राज्यों से होते हुए मध्यप्रदेश की सीमा पर बनास नदी के संगम से होकर बनास नदी के मार्ग से सीधी जिला (जो उन दिनों सिद्ध भूमि के नाम से विख्यात था) एवं कोरिया जिले के मध्य सीमावर्ती मवाई नदी (भरतपुर) पहुँच कर मवाई नदी पार कर दण्डकारण्य में प्रवेश किया। मवाई नदी-बनास नदी से भरतपुर के पास बड़वाही ग्राम के पास मिलती है। बनास नदी से होकर मवाई नदी तक पहुँचे, मवाई नदी को भरतपुर के पास पार कर दक्षिण कोसल के दण्डकारण्य क्षेत्र,(छत्तीसगढ़) में प्रवेश किया। दक्षिण कौशल (छत्तीसगढ़) में मवाई नदी के तट पर उनके चरण स्पर्श होने पर छत्तीसगढ़ की धारा पवित्र हो गयी और नदी तट पर बने प्राकृतिक गुफा मंदिर सीतामढी हरचौका में पहुँच कर विश्राम किया अर्थात रामचंद्र जी के वनवास काल का छत्तीसगढ़ में पहला पड़ाव भरतपुर के पास सीतामढी हरचौका को कहा जाता है। सीतामढी हरचौका में मवाई नदी के तट पर बनी प्राकृतिक गुफा को काटकर छोटे-छोटे कई कक्ष बनाये गये हैं जिसमें द्वादश शिवलिंग अलग-अलग कक्ष में स्थापित हैं। वर्तमान में यह गुफा मंदिर नदी के तट के समतल करीब 20 फीट रेत पट जाने के कारण हो गया है। यहाँ रामचंद्र जी ने वनवास काल में पहुँच कर विश्राम किया। इस स्थान का नाम हरचैका अर्थात् हरि का चैका अर्थात् रसोई के नाम से प्रसिद्ध है। रामचंद्रजी ने यहाँ शिवलिंग की पूजा अर्चना कर कुछ समय व्यतीत किया इसके बाद वे मवाई नदी से होकर रापा नदी के तट पर पहुँचे। रापा नदी और बनास कटाडोल के पास आपस में मिलते हैं। मवाई नदी बनास की सहायक नदी है। अतः रापा नदी के तट पर पहुँच कर सीतमढी पहुँचे। नदी तट पर बनी प्राकृतिक गुफा नदी तट से करीब 20 फीट ऊँची थी। वहाँ चार कक्ष वाली प्राकृतिक गुफा है। गुफा के मध्य कक्ष में शिवलिंग स्थापित है तथा दाहिने, बाएँ दोनों ओर एक-एक कक्ष है जहाँ मध्य की गुफा के सम्मुख होने के कारण दो गुफाओं के सामने से रास्ता परिक्रमा के लिये बनाया गया है। इन दोनों कक्षों में राम-सीताजी ने विश्राम किया तथा सामने की ओर अलग से कक्ष है जहाँ लक्ष्मण जी ने रक्षक के रूप में इस कक्ष में बैठकर पहरा दिया था। यहाँ कुछ दिन व्यतीत कर वे कोटाडोल पहुँचे। इस स्थान में गोपद एवं बनास दोनों नदियाँ मिलती हैं। कोटडोल एक प्राचीन एवं पुरातात्विक स्थल है। कोटाडोल से होकर वे नेउर नदी के तट पर बने सीतामढी छतौडा आश्रम पहुँचे। छतौडा आश्रम उन दिनों संत-महात्माओं का संगम स्थली था। यहाँ पहुँच कर उनहोंने संत महात्माओं से सत्संग कर दण्डक वन के संबंध में जानकारी हासिल की। यहाँ पर भी प्राकृतिक गुफा नेउर नदी के तट पर बनी हुई है। इसे सिद्ध बाबा का आश्रम के नाम से प्रसिद्धी है। बनास, नेउर एवं गोपद तीनों नदियां भंवर सेन ग्राम के पास मिलती हैं। छतौडा आश्रम से देवसील होकर रामगढ़ पहुँचे। रामगढ़ की तलहटी से होकर सोनहत पहुँचे। सोनहत की पहाड़ियों से हसदो नदी का उद्गम होता है। अतः हसदो नदी से होकर वे अमृतधारा पहुँचे। अमृत धारा में गुफा-सुरंग है। यहाँ कुछ समय व्यतीत किया तथा महर्षि विश्रवा से भेंट की। यहाँ पर शिवजी की पूजा अर्चना कर समय व्यतीत कर बैकुण्ठपुर पहुँचे। बैकुण्ठपुर से होकर वे पटना-देवगढ जहाँ पहाडी के तराई में बसा प्राचीन मंदिरों का समूह था। सूरजपुर तहसील के अंतर्गत रेण नदी के तट पर होने के कारण इसे अर्धनारीश्वर शिवलिंग कहा जाता है।

टी-20 रैंकिंग में अभिषेक का वर्ल्ड रिकॉर्ड

14 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाले बल्लेबाज,गेंदबाजी में वरुण नंबर-1

दुबई,01 अक्टूबर 2025। टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। अभिषेक टी-20 रैंकिंग के 14 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा रेटिंग पॉइंट्स लाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के डेविड मलान के पांच साल से जारी रिकॉर्ड को तोड़ा है। आईसीसी ने टी-20 रैंकिंग की शुरुआत 2011 में की थी। एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ मैच के बाद अभिषेक के 931 रेटिंग पॉइंट्स हो गए थे। यह टी-20 क्रिकेट में किसी भी बल्लेबाज के रेटिंग पॉइंट्स का अब तक का सबसे बड़ा नंबर है। पिछला रिकॉर्ड मलान के नाम था। मलान ने 2020 में 919 पॉइंट्स हासिल किए थे। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में अभिषेक 6 रन ही बना पाए थे। लिहाजा उनके पांच पॉइंट्स कम हुए। बुधवार को जारी रैंकिंग में वे 926 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं।

तिलक वर्मा तीसरे नंबर पर,टॉप-10 में तीन भारतीय : इस समय टॉप-10 टी-20 बल्लेबाजों में तीन भारतीय शामिल हैं। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में नाबाद 69 रन बनाने वाले तिलक वर्मा तीसरे नंबर पर हैं। उनके 819 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं,कप्तान सूर्यकुमार यादव (698 पॉइंट्स) आठवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे और जोस बटलर चौथे स्थान पर हैं। एशिया कप में भारत के खिलाफ सेंचुरी जमाने वाले श्रीलंका के पथुम निशांका पांचवें नंबर पर हैं।

बॉलिंग में नंबर-1 वरुण टॉप-10 में इकलौते भारतीय : टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती 803 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। वरुण टॉप-10 में इकलौते भारतीय गेंदबाज हैं। कुलदीप यादव 12वें और अक्षर पटेल 13वें स्थान पर हैं। जसप्रीत बुमराह 29 वें नंबर पर हैं। बुमराह से ऊपर रवि बिश्नोई 16वें और अर्शदीप सिंह 23 वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के जैकब डफी दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा तीसरे स्थान पर हैं।

हार्दिक को पीछे छोड़ साईम बने नंबर-1 ऑलराउंडर

पाकिस्तान के सईम अयूब भारतीय स्टार हार्दिक पंड्या को पीछे छोड़ टी-20 क्रिकेट में नंबर-1 ऑलराउंडर बन गए हैं। सईम के 241 रेटिंग पॉइंट्स हैं। हार्दिक के 233 पॉइंट्स हैं। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी तीसरे और नेपाल के दीपेंद्र सिंह चौथे नंबर पर हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा पांचवें स्थान पर हैं।

टीम रैंकिंग में भारत पहले से नंबर-1

टी-20 टीम रैंकिंग में भारत पहले से नंबर-1 पर मौजूद है। टीम इंडिया के 272 पॉइंट्स हैं। ऑस्ट्रेलिया (266 पॉइंट्स) दूसरे और इंग्लैंड (257 पॉइंट्स) तीसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान सातवें नंबर पर है। उसके 233 पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड चौथे, साउथ अफ्रीका पांचवें और वेस्टइंडीज छठे नंबर पर है।

तमिम इकबाल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड चुनाव से नामांकन वापस लिया

ढ़ाका,01 अक्टूबर 2025। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमिम इकबाल ने आगामी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) चुनाव से अपना नामांकन वापस ले लिया है, जो 6 अक्टूबर को होने वाला था। बाएं हाथ के ओपनर तमिम बुधवार को बीसीबी मुख्यालय पहुंचे और औपचारिक रूप से अपने नामांकन पत्र वापस लिए। इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, आज हमने अपना नामांकन वापस लिया है। मेरे सहित करीब 14-15 लोगों ने अपना नामांकन वापस लिया है। इसका कारण बहुत स्पष्ट है। मुझे आपको कोई विस्तार से विवरण देने की आवश्यकता नहीं है। तमिम पहले बीसीबी में निदेशक पद के लिए चुनाव में हिस्सा लेने में रुचि दिखा चुके थे,लेकिन आखिरी समय में उन्होंने अपना मन बदल लिया। उन्होंने नामांकन दाखिल करने के बाद खुलकर सरकार के हस्तक्षेप का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, शुरुआत से ही मैं कह रहा था कि यह चुनाव किस दिशा में जा रहा है और इसे कैसे संचालित किया जा रहा है। जो कुछ भी उस समय सही लगता है, वही किया जा रहा है। यह चुनाव नहीं है और यह क्रिकेट के लिए उपयुक्त नहीं है। यह एक तरह से हमारी निंदा है कि हम इस गंदगी का हिस्सा नहीं बन सकते। पूर्व कप्तान ने जोर देकर

कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट और उसके प्रशंसक बेहतर के हकदार हैं। उन्होंने आगे कहा, आज क्रिकेट ने सौ प्रतिशत हार मान ली है। पहले चुनाव में फिक्सिंग बंद करो,फिर क्रिकेट में फिक्सिंग के बारे में सोचो। यह चुनाव बीसीबी के लिए एक काला निशान बन गया है। तमिम ने चुनाव प्रक्रिया की तीखी आलोचना की और कहा कि यह प्रक्रिया बांग्लादेश क्रिकेट के लिए एक अपमानजनक कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में इस मामले पर और विस्तार से बात करेंगे।

मैच के ठीक पहले न्यूजीलैंड को लगा तगड़ा झटका

रचिन रविंद्र चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया खिलाफ सीरीज से बाहर

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2025। स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र चोटिल होने के चलते ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर न्यूजीलैंड ने जेम्स नीशम को खेमे में शामिल किया है। जेम्स नीशम अपने करियर में 84 टी20 मैच खेल चुके हैं,

जिसमें उन्होंने 955 रन बनाने के अलावा,47 विकेट भी हासिल किए। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में टी20 सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाना है, जिससे पहले रचिन रविंद्र मंगलवार को फील्डिंग प्रैक्टिस के दौरान बाउंड्री होर्डिंग से टकरा गए और उनके चेहरे पर चोट लग गई, जिसके बाद टांके लगाने पड़े। न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर ने स्टार ऑलराउंडर के बाहर होने पर निराशा जताते हुए कहा, हम सभी रचिन के सीरीज से बाहर होने से बेहद निराश हैं। उनके ऊपरी होंठ और नाक के हिस्से में गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद उन्हें टांके लगवाने पड़े। रचिन को ठीक होने में समय लगेगा। निश्चित रूप से रचिन हमारे लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी फिटनेस हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दो हफ्तों में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज शुरू होनी है। ऐसे में उन्हें घर भेजने का फैसला लिया गया है, ताकि वह इस सीरीज के लिए उपलब्ध रह सकें। न्यूजीलैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-4 अक्टूबर के बीच तीन टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 18-23 अक्टूबर के बीच यह टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। इस साल की शुरुआत में साउथ अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के दौरान कैच लेने की कोशिश करते समय रचिन रविंद्र के माथे पर चोट लगी थी, जिसके चलते उन्हें त्रिकोणीय सीरीज के बाकी मैचों के साथ-साथ पाकिस्तान के खिलाफ पहले चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले से भी बाहर होना पड़ा था।

इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने चाइना ओपन का खिताब जीता

बीजिंग,01 अक्टूबर 2025। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने अमेरिका के युवा टीनर लर्नर टिएन को 6-2, 6-2 से हराकर अपने करियर का 21वां खिताब जीत लिया। सिनर ने बीजिंग की हार्ड कोर्ट पर यह खिताब दूसरी बार अपने नाम किया। 2023 में उन्होंने अपने टूर्नामेंट डेब्यू

में डेनियल मेदवेदेव को हराकर पहला खिताब जीता था। 24 साल के सिनर अब तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने चाइना ओपन का खिताब एक से अधिक बार जीता है। उनसे पहले नोवाक जोकोविच ने छह और राफेल नडाल ने दो खिताब जीते हैं। बीजिंग के सेंटर डायमंड कोर्ट पर उनकी एकमात्र हार उनके बड़े प्रतिद्वंदी कार्लोस अल्काराज के हाथों हुई थी। अल्काराज ने पिछले साल चाइना ओपन का फाइनल तीन सेट में जीता था। सिनर ने पहले सेट में टिएन को तुरंत ब्रेक करते हुए मैच पर कब्जा जमा लिया। दूसरे सेट के दूसरे गेम में टिएन को ब्रेक लेने का एक मौका मिला, लेकिन सिनर ने तुरंत नियंत्रण वापस ले लिया।

नकवी ने एशिया कप ट्रॉफी एसीसी दफ्तर में जमा कराई

दुबई, 01 अक्टूबर 2025। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ और एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने एशिया कप ट्रॉफी एसीसी ऑफिस में जमा करा दी है। 28 सितंबर को हुए एशिया कप फाइनल के बाद भारतीय टीम ने नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। इसके बाद एसीसी के किसी अन्य अधिकारी से टीम को ट्रॉफी देने की जगह नकवी इसे अपने साथ होटल ले गए थे। वे इस बात पे अड़ गए थे कि भारतीय टीम को वही ट्रॉफी देंगे। इसके दो दिन बाद मंगलवार को एसीसी की सालाना बैठक हुई। इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नकवी को जल्द से जल्द ट्रॉफी वापस करने को कहा था। सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि भारतीय अधिकारियों ने नकवी को चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो उनको एसीसी प्रमुख के पद से हटाया जा सकता है। इसके बाद नकवी ने ट्रॉफी ने जमा कराई है। अब यह ट्रॉफी भारत को कैसे दी जाएगी इस पर फैसला बाकी है।

नकवी ने कहा था- मैं कार्टून की तरह खड़ा था

मंगलवार को बीसीसीआई ने एसीसी की एनुअल जनरल मीटिंग में भारत ने चैंपियन बनने के बावजूद ट्रॉफी नहीं दिए जाने का कड़ा विरोध किया था। इस पर नकवी ने सफाई देते हुए कहा था कि उन्हें लिखित में कहीं से यह सूचना नहीं दी गई थी कि भारतीय टीम उनसे ट्रॉफी नहीं लेगी। उन्होंने कहा- मैं तो वहां बिना वजह एक कार्टून की तरह खड़ा था। 29 सितंबर को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि वह इस मामले को नवंबर में होने वाली आईसीसी मीटिंग में भी रखेंगे।

एसीसी की एजीएम में क्या-क्या हुआ?

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने नकवी से पूछा था कि विजेता टीम को ट्रॉफी क्यों नहीं दी गई? यह एसीसी की ट्रॉफी है, इसे औपचारिक तरीके से विजेता टीम को सौंपा जाना चाहिए था। मीटिंग में ये फैसला लिया गया कि काउंसिल के टेस्ट प्लेइंग मेंबर भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान के सदस्य ट्रॉफी के विवाद का समाधान निकालने के लिए बैठक करेंगे। इस मीटिंग में राजीव के अलावा, बीसीसीआई के आशीष शेलार भी मौजूद रहे। दोनों वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मीटिंग में जुड़े थे।

एशिया कप जीतकर बिना ट्रॉफी के लौटी टीम इंडिया : 28 सितंबर को हुए फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया था। पोस्ट मैच प्रजेंटशन में इंडिविजुअल अवॉर्ड लेने के बाद एसीसी चीफ मोहसिन नकवी भारतीय टीम को विनिंग ट्रॉफी और प्लेयर्स को मेडल देना चाहते थे। वे पाकिस्तान के गृह मंत्री भी है, इसलिए भारतीय प्लेयर्स ने उनके हाथों अवॉर्ड लेने से मना कर दिया। फाइनल के बाद हुआ ट्रॉफी विवाद इस टूर्नामेंट के विवादों का चौथा चैप्टर था। इससे पहले तीन विवाद और हुए थे। 14 सितंबर को लीग मैच में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। इसके बाद मैच जीतने के बाद भी भारतीय प्लेयर्स सीधा अपने पवेलियन लौट गए थे। जिसके विरोध में पाकिस्तानी टीम ने पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस कैंसिल कर दी थी। हैंडशेक विवाद के बाद पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड ने रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट से शिकायत की। इसका कोई असर नहीं हुआ। ऐसे में पीसीबी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग पर अड़ गया। उसने एशिया कप से हटने की धमकी दी।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कैथरीन डेब्रनर ने पूरी की स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2025। स्विटजरलैंड की स्टार व्हीलचेयर रेसर कैथरीन डेब्रनर ने यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बुधवार को स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की। महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन ने बुधवार सुबह 3.16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है

और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता।

पिछली बार सर्कल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए। गुएनिची पहले दो राउंड के बाद 16.57 मीटर और 16.74 मीटर के थ्रो के साथ आठ एथलीटों के समूह में सबसे आगे थे, लेकिन पाँचवें राउंड में स्विरिडोव के आगे निकलने के बाद, ट्यूनीशियाई एथलीट ने अपने छठे प्रयास में 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर काउंटबैक में बढ़त बना ली और रूस में जन्मे दो बार के पैरालंपिक खेलों के चैंपियन पर अपनी पहली जीत दर्ज की। आखिरकार, लोहे की गेंद को उठाने के लिए लंबे इंतज़ार के बाद 35 वर्षीय स्विरिडोव ने उसे काफी दूर तक फेंका। जब यह घोषणा की गई कि उन्होंने 17.01 मीटर की दूरी तय कर ली है, तो उन्होंने राहत की सांस ली।

ट्यूनीशियाई खिलाड़ी ने आगे बढ़कर स्विरिडोव को गले लगाया और उनकी सराहना की। 2023 और 2024 में स्विरिडोव की अनुपस्थिति में विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले गुएनिची रूसी मूल के इस एथलीट की वैश्विक प्रतियोगिताओं में पकड़ ढीली करना चाहते थे। उन्हें 2019 विश्व चैंपियनशिप के साथ-साथ टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में भी हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने स्विरिडोव के अदम्य साहस की सराहना करने में सहजता दिखाई।

सूर्यवंशी ने 78 बॉल पर सेंचुरी जमाई

ब्रिस्बेन,01 अक्टूबर 2025। 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का जलवा जारी है। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ पहले यूथ टेस्ट मैच के दूसरे दिन वैभव ने सिर्फ 78 बॉल पर सेंचुरी जमा दी। उन्होंने 86 गेंदों पर कुल 13 रन की पारी खेली। वेभव ने 9 चौके और 8 छक्के जमाए। यानी उनके 84 रन चौके और छक्के से आए। भारत अंडर-19 की ओर से वेदांत त्रिवेदी ने भी सेंचुरी जमाई। उन्होंने 191 गेंदों पर 19 चौके की मदद से 140 रन बनाए। भारत ए की पहली पारी 423 रन बनाकर ऑलआउट हई। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की पहली पारी 243 रन पर सिमटी थी। इस तरह भारतीय टीम ने 185 रन की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिया की टीम मैच के पहले दिन बुधवार को ऑलआउट हो गई थी। आज भारत की पारी के साथ खेल की शुरुआत हुई.। वैभव और आयुष महात्रे ने पहले विकेट के लिए 47 रन क पार्टनरशिप की। आयुष को हेडन शिलर ने आउट किया। नंबर 3 पर आए विशान 6 रन ही बना सके।

उन्हें टॉम पैडिंगटन ने पवेलियन भेजा इसके बाद वैभव और वेदांत ने सेंचुरी पार्टनरशिप की। तीसरे विकेट की पार्टनरशिप में वैभव-वेदांत ने 134 गेंदों पर 152 रन जोड़े। वैभव का विकेट भी शिलर को मिला। वैभव और वेदांत के अलावा और कोई बल्लेबाज हाफ सेंचुरी भी नहीं जमा सका। खिलन पटेल ने 49 रन बनाए। अभिज्ञान कुंडू ने 26 और राहुल कुमार ने 23 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से हेडन शिलार और विल मालाजुक ने 3-3 विकेट लिए। आर्यन शर्मा ने दो और टॉम पैडिंगटन ने एक विकेट लिया। पहले दिन दीपेश ने लिए 5 विकेट मैच के पहले दिन दिन तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन के 5 विकेट की बदौलत भारत अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया 19 को 243 रन पर ऑलआउट कर दिया।

व्यापार समाचार

आरबीआई ने 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 6.8 फीसदी किया

मुंबई,01 अक्टूबर 2025। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया। साथ ही सामान्य से बेहतर मानसून एवं जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के आधार पर महंगाई के अनुमान को घटाकर 2.6 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने आज यहां द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद इस फैसले की जानकारी दी। मल्होत्रा ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बीच घरेलू मोर्चे पर महत्वपूर्ण घटनाक्रमों ने भारत में वृद्धि-मुद्रास्फीति की स्थिति को लेकर विचार को बदल दिया है। उन्होंने कहा, ''अच्छे मानसून के साथ भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में बेहतर रही और कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन मजबूत रहा। साथ ही खुदरा मुद्रास्फीति में भी उल्लेखनीय कमी आई है।'' संजय मल्होत्रा ने कहा, ''इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए छह सदस्यीय एमपीसी ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 6.8 फीसदी कर दिया है। इसमें दूसरी तिमाही में वृद्धि दर 7.0 फीसदी,तीसरी तिमाही 6.4 फीसदी और चौथी तिमाही 6.2 फीसदी रहेगी। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी अनुमानित है।'' केंद्रीय बैंक ने अगस्त की मौद्रिक समीक्षा बैठक में आर्थिक वृद्धि दर 6.5 फीसदी और महंगाई 3.1 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। उन्होंने कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर अब 2.6 फीसदी रहने का अनुमान है। इसके दूसरी तिमाही में 1.8 फीसदी,तीसरी तिमाही में 1.8 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.0 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में यह 4.5 फीसदी अनुमानित है।'' संजय मल्होत्रा ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को युक्तिसंगत बनाने के बारे में कहा कि इससे मुद्रास्फीति पर नरमी का प्रभाव पड़ने की संभावना है, जिससे उपभोग और वृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि हालांकि अमेरिकी शुल्क से निर्यात में नरमी आएगी। उन्होंने कहा कि 2025-26 के दौरान अब तक मुद्रास्फीति की स्थिति अनुकूल बनी हुई है और वास्तविक परिणाम अनुमान से काफी कम रहे हैं।

राजेश अग्रवाल ने वाणिज्य विभाग के सचिव का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2025। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी राजेश अग्रवाल ने बुधवार को नई दिल्ली में वाणिज्य विभाग के सचिव का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने सुनील बर्थवाल का स्थान लिया है, जो 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक मणिपुर कैडर के 1994 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजेश अग्रवाल को कौशल विकास, बिजली, उर्वरक, कृषि और एमएसएमई सहित विविध क्षेत्रों में शासन, नीति-निर्माण और कार्यान्वयन में तीन दशकों का अनुभव है। उन्होंने तीन वर्षों तक विश्व कौशल शासी परिषद में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और मणिपुर, झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में क्षेत्रीय सुधारों को आगे बढ़ाया है। मंत्रालय ने कहा कि अपने वर्तमान कार्यभार से पहले अग्रवाल मुक्त व्यापार समझौतों के अंतर्गत विभिन्न देशों के साथ भारत की व्यापार वार्ताओं की देखरेख कर रहे थे।

शेयर बाजार में लौटी रौनक,सेंसेक्स ने लगाई 715 अंकों की छलांग

नई दिल्ली,01 अक्टूबर 2025। शेयर बाजार सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को लगातार आठ दिनों की गिरावट से उबरने में सफल रहा। बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांकों में जबरदस्त उछाल आया। सेंसेक्स 715.69 अंक उछल गया, जबकि 225 अंकों की तेजी रही। इसके पीछे आरबीआई के रेपो रेट स्थिर रखने और आर्थिक वृद्धि दर अनुमान बढ़ने को अहम माना जा रहा है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 715.70 अंक यानी 0.89 फीसदी उछलकर 80,983.31 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 800.81 अंक बढ़कर 81,068.43 अंकों पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 225.20 अंक यानी 0.92 फीसदी चढ़कर 24,836.30 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के समूह में शामिल प्रमुख कंपनियों में टाटा मोटर्स में सबसे ज्यादा 5.54 फीसदी की बढ़त दर्ज हुई। कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में तेजी रही। हालांकि, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रहा। वहीं, एशिया के अन्य शेयर बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं, चीन के शेयर

बाजार राष्ट्रीय दिवस की छुट्टी के कारण बंद रहे। विश्लेषकों ने कहा कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अनुकूल घोषणाओं के बाद बैंकों और वित्तीय शेयरों में हुई लिवाली ने बाजार को रफ्तार देने का काम किया। आरबीआई के प्रमुख ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने और अपने विकास अनुमानों में वृद्धि के बाद बैंक और वित्तीय शेयरों में हुई खरीदारी से इसमें अछाल आया। उल्लेखनीय है कि पिछले आठ कारोबारी दिनों में बीएसई बेंचमार्क का सेंसेक्स 2,746.34 अंक यानी 3.30 फीसदी गिरा, जबकि निफ्टी 812.5 अंक यानी 3.19 फीसदी गिरा है।

नकली नोट खपा रहे दो लड़के गिरफ्तार,53 जाली करेंसी बरामद

कांकेर,01 अक्टूबर 2025। नकली नोट खपाने की फिराक में घूम रहे दो नाबालिगों को कांकेर पुलिस ने पकड़ा है। इनके पास से 100-100 रुपए के कुल 53 जाली नोट बरामद किया गया। पुलिस ने कांकेर थाना में मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। पुलिस के मुताबिक, 30 सितंबर को सूचना मिली थी कि दो युवक दुकानों में नकली नोट देकर सामान खरीदने की कोशिश कर रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आईके एलीसेला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिन्हा और पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मोहसिन खान के निर्देशन में कांकेर पुलिस की टीम ने रेड कार्रवाई की। तलाशी के दौरान एक बालक के लोवर की जेब से 18 जाली नोट और दूसरे के जींस से 28 जाली नोट बरामद हुए। बाद में मेमोरण्डम के आधार पर 07 नोट और मिले। इस तरह कुल 53 नकली नोट जब्त किए गए। दोनों नाबालिगों के खिलाफ थाना कांकेर में अपराध क्रमांक 358/2025 दर्ज कर धारा 179, 180, 305, 331(4) बीएनएस के तहत मामला कायम किया गया। दोनों को आज न्यायालय में पेश किया गया।

छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 4 की मौत

गरियाबंद में 2 महिला,रायगढ़ में 2 युवकों की गई जान,पेड़ के नीचे खड़े थे

रायपुर,01 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है। गरियाबंद जिले में 2 महिलाओं और रायगढ़ जिले में 2 युवकों ने दम तोड़ दिया। गरियाबंद जिले के देवभोग थाना क्षेत्र के डोहल गांव में हादसा हुआ। डीलेश्वरी दुर्गा (43) और सूरजो बाई (60) की मौके पर मौत हो गई। दोपहर लगभग ढाई बजे अचानक मौसम बदला और बादल गरजने लगा। बारिश से बचने तीन महिलाएं बरगद पेड़ के नीचे आ गईं। इस दौरान एक के सीने में तो दूसरे के सिर पर बिजली गिरी। वहीं गर्भवती महिला के पांव में करंट का आभास हुआ। गर्भवती महिला का इलाज जारी है।

रायगढ़ में महुआ के पेड़ पर गिरी बिजली

रायगढ़ के छाल क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। मृतक आकाश किडो (19) और आकाश लिकन केरकेट्टा (19), गंजाईपाली मांझापार के निवासी थे। दोनों युवक मंगलवार को बकरी चराने जंगल की ओर गए थे। इस दौरान मौसम बिगड़ने लगा और बारिश शुरू हो गई। बचाव के लिए वे महुआ के एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए, तभी बिजली गिर गई और दोनों उसकी चपेट में आ गए। इस हादसे में तीन बकरियों की भी मौके पर ही मौत हो गई। देर शाम तक जब दोनों युवक घर नहीं लौटे, तब परिजन और ग्रामीण उन्हें खोजने निकले। इसके बाद घटना की जानकारी छाल पुलिस को दी गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर रायपुर में राज्य स्तरीय का आयोजन

वृद्धजनों के सम्मान और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णु देव

रायपुर,01 सितम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि वृद्धजन हमारे मार्गदर्शक और अमूल्य संस्कृति के वाहक हैं। वृद्धजनों की देखभाल सरकार और समाज दोनों की साझी जिम्मेदारी है। केंद्र और राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों के पेंशन, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानपूर्ण जीवन के लिए समर्पित योजनाओं को लगातार मजबूत बना रही है। मुख्यमंत्री आज राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में स्थित कृषि मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के राज्य स्तरीय आयोजन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में वृद्धजनों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने बुजुर्गों की विशेष देखभाल के लिए राज्य में सियान गुड़ी, प्रदेश के चार बड़े शहरों रायपुर, बिलासपुर कोरबा और दुर्ग में पीपीपी मॉडल पर सर्वसुविधायुक्त वृद्धाश्रम बनाने और दिव्यांगजनों के सहायक उपकरणों के रिपेयरिंग के लिए राजधानी रायपुर में सर्विस सेंटर बनाने की घोषणा की। साय ने नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राज्यभर में जागरूकता हेतु 25 नशामुक्ति रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं नृत्य प्रस्तुति दी गई और स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वृद्धजन दिवस हमें अपने दायित्वों को याद दिलाने का अवसर है। मेरे गुरु ने मुझे सिखाया है कि माता-पिता की सेवा ही ईश्वर की पूजा है। मैंने अपने गुरु के संस्कार और आदर्शों का हमेशा पालन किया है। साय ने कहा कि हम सभी को यह सच्चाई नहीं भूलनी चाहिए कि आज हमारे बुजुर्ग जिस अवस्था में है, कल हम सभी उसी अवस्था में होंगे। मुख्यमंत्री साय और अतिथियों ने जनता से अपील की कि वे वृद्धजनों का सम्मान करें और उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें,ताकि उनका जीवन और अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बुजुर्गों के लिए संचालित पेंशन योजनाओं में 14 लाख से बुजुर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। आयुष्मान भारत और शहीद वीर नारायण सिंह स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत अब तक 8 लाख से अधिक बुजुर्गों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा दी गई है।

पर्यटन साथी पहल : जिला प्रशासन रायपुर और इज माय ट्रिप के बीच एमओयू

कार्यक्रम में पर्यटन साथी पहल के लिए ईज माई ट्रिप और जिला प्रशासन के मध्य एमओयू हुआ। मुख्यमंत्री ने इस विशेष पहल के लिए जिला प्रशासन की टीम को बधाई दी और कहा कि युवाओं के लिए रोजगार नए अवसर खुलेंगे और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन साथी पहल के तहत युवाओं को आईटीआई सङ्ग में टूर गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रति बैच 50 युवाओं को शामिल किया जाएगा और प्रशिक्षण तीन महीने में पूरा होगा।

छत्तीसगढ़ में नक्सल नेटवर्क पर एनआईए का एक्शन

नक्सलियों के लिए फंड कलेक्शन करने वाले 4 लोगों के खिलाफ चार्ज शीट दाखिल,एक फरार

रायपुर,01 सितम्बर 2025। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने से जुड़े मामले में 4 और आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की है। आरोपियों में सुनीता पोटाम, शंकर मुचक्की और दशरथ उर्फ दसरू मोडियम शामिल हैं, जो मूलवासी बचाओ मंच (एमबीएम) के पदाधिकारी थे। एमबीएम, माओवादी संगठन का फ्रंटल ग्रुप है। जिसे अक्टूबर 2024 में छत्तीसगढ़ विशेष जन सुरक्षा अधिनियम 2005 की धारा 3 (1) के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया था। चौथा आरोपी मल्लेश कुंजाम सीपीआई (माओवादी) का सशस्त्र कैडर है और अभी फरार है। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि ये सभी आरोपी माओवादी संगठन के लिए पैसे जुटाने, उसे कलेक्ट करने और उसके डिस्ट्रीब्यूशन करने का काम करते थे। यह रुपए सरकार के डेवलपमेंट वर्क के खिलाफ और सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों को आयोजित करने में खर्च करते थे। एनआईए के मुताबिक, अवैध फंडिंग का यह नेटवर्क एमबीएम जैसे फ्रंटल संगठनों के जरिए संचालित होता था। इस केस में अब तक कुल 6 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। वहीं सात आरोपियों, जिनमें फरार मल्लेश भी शामिल है। उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। बता दें कि, मई 2023 में बीजापुर पुलिस ने गजेंद्र मडवी और लक्ष्मण कुंजाम को पकड़ा था। दोनों के पास से 6 लाख रुपए कैश मिले थे।

छत्तीसगढ़ में रात 12 बजे बार खुले मिले तो होंगे सील

लापरवाही बरतने पर आबकारी अधिकारी पर भी होगी कार्रवाई

रायपुर,01 सितम्बर 2025। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश भर के बार-पब और होटलों में हो रहे नियमों के उल्लंघन पर आबकारी विभाग ने सख्ती दिखाई है। आबकारी आयुक्त ने बुधवार को प्रदेश भर में बार का संचालन करने वाले कारोबारियों की बैठक लेकर नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। आबकारी आयुक्त आर. संगीता ने कारोबारियों को स्पष्ट कहा कि रात 12 बजे के बाद बार खुला मिलेगा, तो सील होगा। कारोबारियों के अलावा बैठक में मौजूद अफसरों को भी नियमत-जांच करने और लापरवाही मिलने पर कार्रवाई करने की बात आबकारी आयुक्त ने दोहराई है। बैठक में मौजूद छत्तीसगढ़ होटल एंड रेस्टारेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष तरंजीत होरा ने बताया कि प्रदेश भर से 55 से ज्यादा कारोबारी इस बैठक में पहुंचे हुए थे। बैठक में टाइमिंग, सिक्योरिटी और संदिग्ध गतिविधियां होने पर पुलिस-आबकारी के माध्यम से कार्रवाई कराने की बाते कही गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)